राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 21 दिसंबर 2025 वर्ष-8,अंक-294 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली एयरपोर्ट पर पैसेंजर से मारपीट, पायलट सस्पेंड

■ यात्री का दावा: मामला खत्म करने का दबाव बनाया

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर शुक्रवार को ऑफ-ड्यूटी पायलट ने एक यात्री से मारपीट की। इस घटना के बाद यात्री ने सोशल मीडिया पर अपने साथ हुए हादसे की जानकारी शेयर की। साथ ही पायलट के कपड़ों और अपने चोटिल चेहरे की तस्वीर भी पोस्ट की। घटना के सामने आते ही सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। एअर इंडिया एक्सप्रेस ने भी पायलट कैप्टन वीरेंद्र सेजवाल को सस्पेंड कर दिया है। एयरलाइन ने एक बयान में कहा है कि पायलट ड्यूटी पर नहीं था। वह दूसरी फ्लाइट का पैसेंजर था। हमने उसे हटा दिया है, जांच पूरी होने पर कार्रवाई होगी।घटना के बाद यात्री अंकित दीवान ने एक पोस्ट लिखा। इसमें कहा कि मुझ पर मामला खत्म करने का दबाव बनाया गया। जबरदस्ती लेटर लिखवाया। अगर मैं ऐसा नहीं करता तो मुझे फ्लाइट छोड़नी पड़ती। अंकित ने ये भी बताया कि मेरी 7 साल की बेटी ने अपने पिता को पिटते और मेरे खून से सने चेहरे को देखा। इसके बाद से वह सदमे में है। पैसेंजर ने शनिवार को एक और पोस्ट में पायलट का वीडियो शेयर किया है।

असम में राजधानी एक्सप्रेस से टकराकर 7 हाथियों की मौत

■ ट्रेन के 5 डिब्बे-इंजन पटरी से उतरे

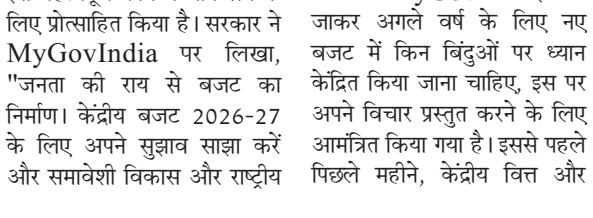

एजेंसी

गुवाहाटी। असम के होजाई जिले में शनिवार सुबह हाथियों का एक झुंड सैरंग-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आ गया। हादसे में सात हाथियों की मौत हो गई और एक बच्चा घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में ट्रेन का इंजन और पांच कोच भी पटरी से उतर गए। यह हादसा सुबह 2:17 बजे चांगजुराई गांव के पास हुई। शुरूआत में आठ हाथियों के मारे जाने की सूचना थी, लेकिन बाद में पुष्टि हुई कि एक हाथी का बच्चा जिंदा है और गंभीर रूप से घायल है। हादसे में किसी यात्री के घायल होने की खबर नहीं है। नगांव के डिवीजनल फॉरेस्ट ऑफिसर सुहास कदम ने बताया कि इलाके में घना कोहरा होने के कारण यह हादसा हुआ होने की आशंका है। मृत हाथियों का पोस्टमॉर्टम किया जा रहा है, जबकि स्थानीय पशु चिकित्सक घायल हाथी का इलाज कर रहे हैं। नॉर्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे (NFR) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने बताया कि हादसा गुवाहाटी से करीब 126 किलोमीटर दूर लुमडिंग डिवीजन के तहत जमुनामुख-कांपुर सेक्शन में हुआ। हादसे वाली जगह अधिसूचित हाथी कॉरिडोर नहीं है।

टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम घोषित

गिल-जितेश बाहर, ईशान और रिंकू की वापसी

एजेंसी

नई दिल्ली। गत चैंपियन भारत सूर्यकुमार यादव की अगुआई में अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप में खिताब का बचाव करने उतरेगा। अजीत अगरकर की अगुआई वाली सीनियर राष्ट्रीय पुरुष चयन समिति ने इस वैश्विक टूर्नामेंट के लिए शनिवार को 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के मुख्यालय में चयन समिति की बैठक में टीम का चयन किया गया। न्यूजीलैंड के खिलाफ जनवरी में होने वाली टी20 सीरीज में भी यही टीम खेलेगी। भारत ने 2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की थी। भारत इस टूर्नामेंट में खिताब बचाने के इरादे से उतरेगा। यह इस टूर्नामेंट का 10वां संस्करण होगा। अब तक कोई भी टीम इस टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव नहीं कर सकी है, ऐसे में टीम इंडिया के पास घरेलू जमीन पर यह तिलिस्म तोड़ने का सुनहरा अवसर होगा। भारत ने टी20 विश्व कप के लिए जो टीम चुनी है उसमें शुभमन गिल का नाम शामिल नहीं है। गिल अभी तक टीम के उपकप्तान थे, लेकिन अब ये जिम्मेदारी एक बार फिर अक्षर पटेल को सौंपी गई है। गिल टी20 में अच्छी फॉर्म में नहीं चल रहे थे। वहीं, विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन और रिंकू सिंह की टीम में वापसी हुई है। ईशान भारत के लिए आखिरी बार 28 नवंबर 2023 को ऑस्ट्रेलिया के

खिलाफ खेले थे। यह उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच भी था। ईशान इसके बाद दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए चुने गए थे, लेकिन वहां उन्हें कोई मैच खेलने का मौका नहीं मिला था। दौरे के बीच में ईशान वापस आ गए थे। घरेलू क्रिकेट की जगह आईपीएल को तरजीह देने के विवाद के कारण उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया था, लेकिन अब दो साल बाद उनकी टीम में वापसी हुई है। दूसरी ओर, रिंकू एशिया कप का हिस्सा थे, लेकिन उन्हें ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए मौका नहीं मिला था। शुभमन गिल की जगह अक्षर पटेल को टी20 टीम का उपकप्तान बनाया गया है। अक्षर इससे पहले भी टी20 में उपकप्तान की भूमिका निभा चुके हैं। दिलचस्प बात यह है कि ईशान किशन की टीम में वापसी हो गई है। ईशान किशन ने हाल ही में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में 101 रन की पारी खेली थी। पूरे टूर्नामेंट के दौरान उनका बल्ला जमकर चला था। हालांकि, ईशान के शामिल होने से जितेश शर्मा टीम में जगह नहीं बना पाए हैं और उन्हें बाहर होना पड़ा है। टीम का एलान करते वक्त अजीत अगरकर ने बताया कि संजू सैमसन विकेटकीपर होंगे। गिल के बाहर होने से अब ये तय हो गया है कि अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज करने उतरेंगे। सैमसन और अभिषेक की सलामी जोड़ी काफी सफल रही है और ऐसा ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांचवें टी20 में भी देखने मिला था। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने इस बात की पुष्टि की है कि टी20 विश्व कप और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए कोई स्टैंडबाई खिलाड़ी नहीं होगा।

पीएम मोदी बोले: 'बंगाल को जंगलराज से मुक्त होना होगा'

नादिया रैली को कोलकाता से पीएम मोदी ने किया वर्चुअली संबोधित

एजेंसी

कोलकाता/गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को पश्चिम बंगाल के तहेरपुर हेलीपैड पर उतरने की कोशिश में असफल रहे। अधिकारियों के अनुसार, क्षेत्र में घने कोहरे के कारण दृश्यता बहुत कम थी, जिससे पीएम का हेलीकॉप्टर कुछ समय हेलीपैड के ऊपर मंडराने के बाद वापस कोलकाता हवाई अड्डे लौट गया। उन्होंने एयरपोर्ट से ही वर्चुअली संबोधन किया। उन्होंने खराब मौसम के कारण रैली स्थल तक नहीं पहुंच पाने पर लोगों से माफी भी मांगी। पीएम मोदी ने सभा को वर्चुअली संबोधन में महान साहित्यकार बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को नमन करते हुए कहा कि वंदे मातरम ब्रिटिश शासन के खिलाफ संघर्ष का मंत्र था। पीएम मोदी ने

कहा वंदे मातरम को राष्ट्र निर्माण का मंत्र बनाना है।प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार देश के नागरिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है। उन्होंने कहा कि जीएसटी ने बंगाल समेत पूरे देश के लोगों को बड़ी राहत दी है और दुर्गा पूजा और अन्य त्योहारों के दौरान देशभर के लोग इससे काफी लाभान्वित हुए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने आरोप लगाया कि बंगाल में घुसपैठियों को टीएमसी का संरक्षण प्राप्त है। पीएम ने कहा कि गंगा बिहार से होकर बंगाल तक जाती है और बिहार ने बंगाल को रास्ता दिखाया है। उन्होंने कहा कि बंगाल को जंगलराज से मुक्त होना होगा। प्रधानमंत्री ने दोहराया कि वे पूरे दिल से बंगाल के लोगों के लिए समर्पित हैं और राज्य के लिए फंड और नीतियों की कोई कमी नहीं है।प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में कई विकास परियोजनाएं राज्य सरकार की वजह से लंबित पड़ी हैं। उन्होंने कहा कि अगर टीएमसी भाजपा का विरोध करना चाहती है तो करे, लेकिन राजनीतिक फायदे के लिए विकास को रोके जाने की बात समझ से बाहर है। पीएम मोदी ने लोगों से अपील की कि वे भाजपा को एक मौका दें, डबल इंजन सरकार बनने दें और भरोसा दिलाया कि उनकी सरकार बंगाल के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध रहेगी। पीएम मोदी ने अपने संबोधन से पहले 3,200 करोड़ रुपये के नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन भी किया। पीएम मोदी सुबह करीब 10.40 बजे दिल्ली से कोलकाता पहुंचे थे। वहां से हेलिकॉप्टर से ताहिरपुर रवाना हुए। लेकिन, घने कोहरे के कारण हेलिकॉप्टर कुछ देर तक हेलीपैड के ऊपर मंडराने के बाद वापस कोलकाता लौट गया। गौरतलब है कि अपने बंगाल दौरे पर प्रधानमंत्री करीब 3,200 करोड़ रुपये की दो राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। नदिया जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-34 के बरजागुली-कृष्णानगर सेक्शन के 66.7 किलोमीटर लंबे फोर-लेन का उद्घाटन और उत्तर 24 परगना जिले में 17.6 किलोमीटर लंबे बारासात-बरजागुली सेक्शन के फोर-लेन का शिलान्यास किया।

'प्रधानमंत्री ने शांति बिल जबरन क्यों पास कराया

■ हमें पता चल गया है', सरकार पर कांग्रेस का निशाना

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि परमाणु विधेयक SHANTक बिल को संसद में सिर्फ इसलिए जबरन पारित कराया गया ताकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने एक समय के अच्छे दोस्त के साथ शांति बहाल कर सकें। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने हालांकि किसी का नाम नहीं लिया। जयराम रमेश ने कहा कि शांति बिल 'सिविल लायबिलिटी फॉर न्यूक्लियर डैमेज एक्ट' के मुख्य प्रावधानों को खत्म करता है और यह एक चिंता का विषय है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि संयुक्त राज्य अमेरिका के नेशनल डिफेंस ऑथराइजेशन एक्ट 2026 में भी इसे लेकर चिंता जताई गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अभी-अभी अमेरिकी वित्तीय वर्ष 2026 के लिए नेशनल डिफेंस ऑथराइजेशन एक्ट पर हस्ताक्षर किए हैं। इसे लेकर जयराम रमेश ने एक्स पर साझा एक पोस्ट में कहा, 'यह एक्ट 3,100 पन्नों का है। पेज 1,912 पर न्यूक्लियर लायबिलिटी नियमों पर संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के बीच संयुक्त मूल्यांकन का जिक्र है। अब हमें पक्का पता चल गया है कि प्रधानमंत्री ने इस हफ्ते की शुरूआत में संसद में शांति बिल को जल्दबाजी में पास कराया, जिसने सिविल लायबिलिटी फॉर न्यूक्लियर डैमेज एक्ट, 2010 के मुख्य प्रावधानों को खत्म कर दिया।' कांग्रेस नेता ने अपनी पोस्ट में अमेरिकी एक्ट की एक कॉपी लगाते हुए कहा, 'यह उनके एक समय के अच्छे दोस्त के साथ शांति बहाल करने के लिए था।'

सरकार ने केंद्रीय बजट 2026-27 पर जनता से सुझाव मांगे, जानिए क्या है मकसद

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत सरकार ने बजट 2026 के लिए आम जनता से सुझाव मांगे हैं। यह कदम इसलिए उठाया गया है ताकि देश के लिए नए नियम और योजनाएं बनाने में मदद मिल सके। MyGovIndia के एक पोस्ट के अनुसार, सरकार ने लोगों को इस महत्वपूर्ण कार्य में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया है। सरकार ने MyGovIndia पर लिखा, "जनता की राय से बजट का निर्माण। केंद्रीय बजट 2026-27 के लिए अपने सुझाव साझा करें और समावेशी विकास और राष्ट्रीय

विकास को बढ़ावा देने वाली नीतियों में योगदान दें।" इस संदेश में सभी को MyGov वेबसाइट पर जाकर अगले वर्ष के लिए नए बजट में किन बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए, इस पर अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया है। इससे पहले पिछले महीने, केंद्रीय वित्त और कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने आगामी केंद्रीय बजट 2026-27 की तैयारियों के तहत नई दिल्ली में पूर्व-बजट परामर्श के कई दौर पूरे किए। इस शृंखला की शुरूआत प्रमुख अर्थशास्त्रियों के साथ परामर्श से हुई। इसके बाद किसान संघों के प्रतिनिधियों और कृषि अर्थशास्त्रियों के साथ परामर्श किया गया। बाद के सत्रों में एमएसएमई, पूंजी बाजार, स्टार्टअप, विनिर्माण, बीएफएसआई (बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं और बीमा), सूचना प्रौद्योगिकी, पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र, और अंत में ट्रेड यूनियन और श्रमिक संगठनों के हितधारकों को शामिल किया गया।

दिल्ली में ठंड-प्रदूषण का डबल अटैक: घने कोहरे से थमी रफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी में स्थानीय कारकों के कारण अधिक प्रदूषण बढ़ रहा है। हवा की गति धीमी होने के कारण लगातार 5वें दिन भी हवा बेहद खराब श्रेणी में बरकरार है। शनिवार सुबह की शुरूआत धुंध और कोहरे की मोटी परत से हुई। साथ ही स्मॉग की घनी चादर भी दिखाई दी। इस कारण कई इलाकों में दृश्यता भी बेहद कम रही। इससे लोगों को आंखों में जलन व सांस के मरीजों को परेशानी हुई।दृश्यता बेहद कम होने से सड़कों और हवाई यातायात पर असर पड़ा है। वहीं, दिल्ली एयरपोर्ट ने यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। एयर

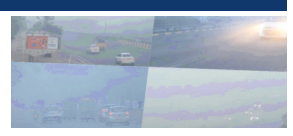

क्वालिटी अर्ली वार्निंग सिस्टम फॉर दिल्ली के अनुसार, शनिवार सुबह राजधानी का औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 376 दर्ज किया गया है। यह हवा की बेहद खराब श्रेणी है। कई इलाकों में एक्यूआई 400 पार दर्ज किया गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के सुबह सात बजे को आंकड़ों के अनुसार, राजधानी दिल्ली के अलीपुर में एक्यूआई 362, आनंद विहार में एक्यूआई 428, अशोक विहार में 412, आया नगर में 298, बवाना में 365, बुराड़ी में 381, चांदनी चौक इलाके में 410 एक्यूआई दर्ज किया गया है।

'वैश्विक शक्ति संतुलन में बड़ा बदलाव आया

अब कोई मर्जी नहीं थोप सकता' विदेश मंत्री जयशंकर का बयान

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक बयान में कहा है कि वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक संतुलन बड़े बदलाव से गुजर रहा है और अब ताकत के कई केंद्र उभरे हैं। पुणे में सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड यूनिवर्सिटी) के 22वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, 'कोई भी देश, चाहे वह कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, अब सभी मुद्दों पर अपनी मर्जी थोप नहीं सकता।' उन्होंने कहा, 'इसका मतलब यह भी है कि अब दुनिया के देशों के बीच एक स्वाभाविक मुकाबला है और यह अपना संतुलन बनाता है। शक्ति और प्रभाव के कई केंद्र उभरे हैं।'उन्होंने कहा कि शक्ति के विचार की कई परिभाषाएं हैं, जिनमें व्यापार, ऊर्जा, सेना, संसाधन, तकनीक और टैलेंट शामिल हैं। यह इसे एक खास तौर पर जटिल बनाते हैं। जयशंकर ने कहा, 'यह पहचानना भी जरूरी है कि वैश्विक शक्तियां अब सार्वभौमिक होने में सक्षम नहीं हैं। वैश्वीकरण ने हमारे सोचने और काम करने के तरीके को मौलिक रूप से बदल दिया है। जयशंकर ने कहा, 'हमारे जैसी बड़ी अर्थव्यवस्था को अगर तकनीक के साथ कदम से कदम मिलाकर

चलना है, तो उसे महत्वपूर्ण और आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग विकसित करनी चाहिए।'विदेश मंत्री ने कहा जब मैं आपके समय में था, तब दुनिया अलग थी और कम जटिल थी, लेकिन दुनिया एक बड़े बदलाव से गुजरी है और हमारे समाज और देश में भी बदलाव हुए हैं। अब नई पीढ़ी पर जिम्मेदारी है कि वे विकसित भारत की जिम्मेदारी लें।' बांग्लादेश के हालात पर बात करते हुए विदेश मंत्री ने कहा, 'बांग्लादेश बनने के कुछ साल बाद, हमारे सामने पाकिस्तान के साथ-साथ पश्चिम और चीन भी थे। इसके जवाब में, भारत ने सोवियत संघ के साथ एक मजबूत रणनीतिक रिश्ता बनाया। यह सुधारों से पहले का दौर था, जिसमें कम आर्थिक विकास, कमी, लाइसेंसिंग कंट्रोल और सीमित विदेशी व्यापार था। हमारे समाज और दुनिया के साथ हमारे संबंध आज से बहुत अलग थे।' डॉ. जयशंकर ने कहा, 'आजादी के बाद, कई देश तरक्की और खुशहाली हासिल कर पाए और अब वे अपनी किस्मत खुद कंट्रोल करते हैं। सही फैसलों और समझदारी भरी नीतियों ने बहुत बड़ा फर्क डाला है। भारत के मामले में, हमने देखा है कि कैसे नेतृत्व और प्रशासन ने हमारी आर्थिक ग्रोथ और सामाजिक बदलाव के अलग-अलग दौर में उतार-चढ़ाव का सामना किया। इस दौर में जिस देश ने सबसे ज्यादा फायदा उठाया है, वह चीन है। लेकिन हमने भी अच्छा किया है, खासकर सुधारों के बाद के दौर में, और पिछले दशक में तो और भी ज्यादा। इसके उलट, पश्चिमी दुनिया का ज्यादातर हिस्सा अब महसूस करता है कि वह ठहर गया है, यह भावना धीरे-धीरे राजनीतिक मायने लेने लगी है। पश्चिमी लोगों ने जानबूझकर ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए उत्पादन इकाइयों को दूसरी जगह शिफ्ट करने का फैसला किया।

5 साल में मनरेगा के 4.43 करोड़ जॉब कार्ड डिलीट

बिहार में सबसे ज्यादा 1 करोड़ नाम हटे, टॉप 6 राज्यों में यूपी-एमपी और बंगाल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को राज्यसभा में बताया कि पिछले पांच सालों में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत देशभर में 4.43 करोड़ जॉब कार्ड हटाए गए हैं। इसमें सबसे ज्यादा बिहार में 1.04 करोड़ कार्ड डिलीट हुए है। दूसरे नंबर पर यूपी है, जहां 90.4 लाख जॉब कार्ड हटाए गए हैं। मंत्रालय ने बताया कि कुल हटाए गए जॉब कार्ड में बिहार और उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी 44% है। बिहार-यूपी के अलावा जिन 4 राज्यों में सबसे ज्यादा जॉब कार्ड डिलीट किए गए, उनमें ओडिशा, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल और राजस्थान शामिल है। यह जानकारियां ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने राज्यसभा में सांसद तिरुचि शिवा के सवाल के लिखित जवाब में दी। मंत्री ने बताया कि जितने भी जॉब कार्ड डिलीट हुए, वे फर्जी, डुप्लीकेट या गलत जानकारियों वाले कार्ड थे और यह प्रक्रिया नियमित रूप से की जाती है। मंत्री ने बताया कि जिन परिवारों ने स्थायी रूप से पलायन कर लिया है, जिन ग्राम पंचायतों का शहरीकरण हो चुका है या जिन परिवारों में जॉब कार्ड का

एकमात्र सदस्य मृत्यु को प्राप्त हो चुका है, ऐसे मामलों में भी कार्ड डिलीट किए गए हैं। सरकार ने बताया कि इस प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए 25 जनवरी 2025 को एक मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) जारी की गई थी। केंद्र के मुताबिक, अगर किसी भी तरह का कन्फ्यूजन होता है इन रडढ को देखा जा सकता है। 1 से 19 दिसंबर तक चले, संसद के शीतकालीन सत्र में मनरेगा का नाम बदलकर 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण), 2025 (वीबी-जी राम जी) करने वाला बिल पास हो गया। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसे संसद में पेश किया था। ये बिल महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून (MGNREGA) को रिप्लेस करेगा। नए बिल में कहा गया है कि इसका उद्देश्य विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप ग्रामीण विकास का नया ढांचा तैयार करना है। इसके तहत काम के दिनों की संख्या 100 से बढ़ाकर 125 दिन कर दी जाएगी। इस मुद्दे पर संसद परिसर में विपक्ष ने विरोध प्रदर्शन किया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बेलगाम बांग्लादेश की अशांति भारत के लिये खतरा

अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चुप्पी भी इस संदर्भ में कई सवाल खड़े करती है। मानवाधिकारों और अल्पसंख्यक संरक्षण की दुहाई देने वाले वैश्विक मंच तब मौन क्यों हो जाते हैं, जब यह उल्लंघन रणनीतिक या राजनीतिक समीकरणों के भीतर घटित होते हैं। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के पुत्र और सलाहकार साजीब वाजेद जॉय का यह कथन कि बांग्लादेश की आग से भारत अछूता नहीं रह सकता, केवल एक राजनीतिक बयान नहीं, बल्कि एक कड़वी सच्चाई है।

(लेखक- -ललित गर्ग)

बांग्लादेश में बीते कुछ समय से जो घटनाक्रम सामने आ रहे हैं, वे किसी एक देश की आंतरिक समस्या भर नहीं रह गए हैं, बल्कि दक्षिण एशिया की समूची भू-राजनीतिक स्थिरता के लिए एक गंभीर चेतावनी बनते जा रहे हैं। युवा छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद जिस तरह ढाका सहित कई शहरों में हिंसा भड़की, उसने यह उजागर कर दिया कि मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार न तो कानून का शासन स्थापित कर पा रही है और न ही समाज को उन्माद व कट्टरता से बचाने में सक्षम दिखाई देती है। सड़कों पर उग्र भीड़, अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर हमले, हिन्दू धर्म-स्थलों को ध्वस्त करना, मीडिया संस्थानों के दफ्तरों में आगजनी, पत्रकारों पर हमले और असहमति की आवाजों को दबाने की कोशिशें यह संकेत देती हैं कि बांग्लादेश तेजी से अराजकता के दलदल में धंसता जा रहा है। यह स्थिति लोकतंत्र के भविष्य के लिए जितनी भयावह है, उतनी ही खतरनाक क्षेत्रीय शांति के लिए भी है।

इस पूरे परिदृश्य का सबसे चिंताजनक एवं त्रासद पहलू 'भारत विरोधी नैरेटिव' का सुनियोजित एवं षड़यंत्रपूर्ण निर्माण है। शरीफ उस्मान हादी की हत्या के लिए बिना किसी ठोस जांच के भारत पर आरोप मढ़ना और उसके बाद भारतीय मिशनों को निशाना बनाने की कोशिशें यह बताती हैं कि हिंसा केवल स्वतःस्फूर्त जनाक्रोश नहीं, बल्कि एक सुविचारित राजनीतिक और वैचारिक साजिश का हिस्सा है। इतिहास गवाह है कि जब भी बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ती है, कुछ कट्टरपंथी ताकतें भारत विरोध को एक आसान औजार की तरह इस्तेमाल करती हैं। इससे न केवल भीड़ को भड़काया जाता है, बल्कि आंतरिक विफलताओं से ध्यान हटाने का रास्ता भी मिल जाता है। अंतरिम सरकार की निष्क्रियता या मौन सहमति इस आशंका को और मजबूत करती है कि वह या तो इन ताकतों पर नियंत्रण खो चुकी है या फिर उनसे समझौता कर चुकी है। इसमें सबसे घातक है पाकिस्तान का साजिशपूर्ण तरीके से भारत विरोध को हवा देना।

भारत द्वारा अपने वीजा केंद्रों को अस्थायी रूप से बंद करना और बांग्लादेशी उच्चायुक्त को तलब करना इस पृष्ठभूमि में एक आवश्यक और संतुलित कूटनीतिक कदम कहा जा सकता है। किसी भी संप्रभु राष्ट्र की यह जिम्मेदारी होती है कि वह विदेशी राजनयिकों और मिशनों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। ढाका में भारतीय प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की कोशिशें और वहां प्रशासन की ढुलमुल प्रतिक्रिया यह दर्शाती हैं कि अंतरिम सरकार इस बुनियादी दायित्व को निभाने में विफल रही है। कूटनीति केवल सौहार्द की भाषा नहीं होती, बल्कि यह स्पष्ट संदेश देने का माध्यम भी होती है कि भारत अपने हितों और नागरिकों की सुरक्षा के प्रश्न पर किसी तरह की उदासीनता स्वीकार नहीं कर सकता।

इस अशांति का सबसे दर्दनाक और संवेदनशील पक्ष बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं की बिगड़ती स्थिति है। कथित ईशनिंदा के आरोपों में एक हिंदू युवक की पीट-पीटकर हत्या इस बात का प्रमाण है कि कट्टरपंथी तत्वों को अब प्रशासन का कोई भय नहीं रह गया है। जब न्याय भीड़ के हाथों में चला जाए और सरकार अल्पसंख्यक अधिकारों पर केवल औपचारिक बयान जारी करती रहे, तो यह लोकतांत्रिक राज्य की आत्मा पर सीधा प्रहार होता है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चुप्पी भी इस संदर्भ में कई सवाल खड़े करती है। मानवाधिकारों और अल्पसंख्यक संरक्षण की दुहाई देने वाले वैश्विक मंच तब मौन क्यों हो जाते हैं, जब यह उल्लंघन रणनीतिक या राजनीतिक समीकरणों के भीतर घटित होते हैं। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के पुत्र और सलाहकार साजीब वाजेद जॉय का यह कथन कि बांग्लादेश की आग से भारत अछूता नहीं रह सकता, केवल एक राजनीतिक बयान नहीं, बल्कि एक कड़वी सच्चाई है। भारत और बांग्लादेश के बीच हजारों किलोमीटर की साझा सीमा, सांस्कृतिक-सामाजिक रिश्ते और आर्थिक निर्भरता ऐसी है कि ढाका की अस्थिरता का असर स्वाभाविक रूप से भारत के सीमावर्ती राज्यों पर पड़ेगा। अवैध घुसपैठ, कट्टरपंथी नेटवर्कों की सक्रियता और सीमा पार अपराधों का खतरा इस अस्थिरता के साथ बढ़ता ही जाएगा।

आगामी फरवरी में प्रस्तावित आम चुनाव बांग्लादेश के लिए एक अवसर हो सकते थे, जिससे वह लोकतांत्रिक प्रक्रिया के जरिए स्थिरता की ओर लौट सके। लेकिन मौजूदा हालात में चुनाव की पारदर्शिता और शांति पर गंभीर प्रश्नचिह्न लग चुके हैं। कट्टरपंथी ताकतें जनभावनाओं को भड़काकर हिंसा का माहौल बनाए रखने में जुटी हैं, ताकि सत्ता का संतुलन अपने पक्ष में मोड़ा जा सके। अंतरिम सरकार का यह दायित्व है कि वह निष्पक्ष और भयमुक्त चुनाव सुनिश्चित करे, लेकिन अब तक के संकेत बताते हैं कि वह इस चुनौती के सामने कमजोर साबित हो रही है। इस पूरे परिदृश्य में पाकिस्तान की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दक्षिण एशिया में अस्थिरता फैलाना और भारत के पड़ोस में अशांति, हिंसा एवं आतंक के बीज बोना पाकिस्तान की पुरानी रणनीति रही है। बांग्लादेश में कट्टरपंथी संगठनों और भारत विरोधी तत्वों को वैचारिक, नैतिक और कभी-कभी परोक्ष समर्थन मिलना कोई नई बात नहीं है। पाकिस्तान के लिए यह एक अवसर की तरह है, जहां वह बांग्लादेश की आंतरिक कमजोरियों का फायदा उठाकर भारत के खिलाफ एक और मोर्चा खोल सकता है। सोशल मीडिया अभियानों से लेकर दुष्प्रचार तक, कई संकेत इस ओर इशारा करते हैं कि बांग्लादेश में फैलाई जा रही भारत विरोधी भावना के पीछे पाक की सोच भी सक्रिय है। यह वही रणनीति है, जिसे पाकिस्तान ने अफगानिस्तान और अपने ही देश में अपनाकर पूरे क्षेत्र को अस्थिरता के गर्त में धकेल दिया।

भारत का रुख हमेशा से एक स्थिर, समृद्ध और लोकतांत्रिक बांग्लादेश के पक्ष में रहा है। आर्थिक सहयोग, बुनियादी ढांचे के विकास और मानवीय सहायता के माध्यम से भारत ने यह साबित किया है कि वह अपने पड़ोसी के साथ सहयोगात्मक संबंध चाहता है, न कि वर्चस्ववादी। लेकिन यदि ढाका की अंतरिम सरकार अपनी जमीन का इस्तेमाल भारत विरोधी गतिविधियों और सांप्रदायिक हिंसा के लिए होने देती है, तो द्विपक्षीय संबंधों में आई दरार को भरना बेहद कठिन हो जाएगा। यह केवल कूटनीति का प्रश्न नहीं, बल्कि विश्वास और साझी सुरक्षा का भी मुद्दा है। अंतरिम सरकार के सामने अब दो ही रास्ते हैं। पहला, वह कठोर कार्रवाई कर यह साबित करे कि वह किसी कट्टरपंथी विचारधारा की बंधक नहीं है और कानून का शासन बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध है। दूसरा, वह निष्क्रियता और तुष्टीकरण के रास्ते पर चलते हुए देश को और गहरे संकट में धकेल दे। इतिहास बताता है कि दूसरा रास्ता अंततः लोकतंत्र, अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने तीनों को नष्ट कर देता है। बांग्लादेश एक ऐसे समय अराजकता में डूबा है, जब वहां चुनाव सन्निकट है। अब इन चुनावों का सही एवं लोकतांत्रिक तरीके से होना संदिग्ध है। इन चुनावों में शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को भाग लेने से रोकना एवं पाकिस्तानपरस्त जमाते इस्लामी समेत अन्य कट्टरपंथी ताकतों को भी चुनाव लड़ने की छूट देना, अंतरिम युनूस सरकार की कुचेष्टा है। सबसे बड़ी चिन्ता की बात यह है कि चुनाव के बाद वहां इस्लामिक कट्टरपंथियों के वर्चस्व वाली ऐसी सरकार अस्तित्व में आ सकती है, जो भारत के खिलाफ खुलकर काम करते हुए अल्पसंख्यकों के संहार को अंजाम देगी। भारत के लिए इसीलिये भी यह समय केवल चिंता व्यक्त करने का नहीं, बल्कि सतर्क और सक्रिय कूटनीति अपनाने का है। सीमा सुरक्षा को मजबूत करते हुए वैश्विक मंचों पर बांग्लादेश की ताजा घटनाओं को स्पष्टता और तथ्यों के साथ उठाना आवश्यक है। पड़ोस में लगी यह आग यदि समय रहते नहीं बुझाई गई, तो इसकी तपिश केवल बांग्लादेश तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया को झुलसा सकती है। स्थिरता, लोकतंत्र और सह-अस्तित्व की रक्षा के लिए यह अनिवार्य है कि बांग्लादेश की मौजूदा अराजकता को एक चेतावनी की तरह लिया जाए, न कि एक क्षणिक राजनीतिक उथल-पुथल के रूप में।

संपादकीय

चूक से हादसे

लोकसभा में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का वह बयान तार्किक ही है जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत में अधिकतर सड़क दुर्घटनाएं मानवीय व्यवहार से जुड़ी हैं। निश्चय ही यदि वाहन चालकों को सड़क व्यवहार के प्रति जागरूक किया जाए और हम जिम्मेदारी-सावधानी से वाहन चलाएं तो हर साल हजारों जिंदगियां बचायी जा सकती हैं। भारत में दुनिया के विकसित देशों के मुकाबले कम वाहन सड़कों पर दौड़ते हैं, लेकिन सड़क हादसों के मामले में हम अव्वल हैं। विडंबना देखिए कि एक साल में देश के भीतर करीब पांच लाख सड़क हादसे दर्ज किए जाते हैं। बड़ी संख्या उन हादसों की भी है जो छोटे शहरों व भीतरी इलाकों में होते तो हैं, लेकिन दर्ज नहीं होते। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि देश में हर साल करीब 1.8 लाख लोग इन हादसों में मारे जाते हैं। लाखों लोग इन हादसों में घायल होते हैं। हजारों लोग ऐसे भी होते हैं जो हादसों के बाद जीवनपर्यंत सामान्य जीवन नहीं जी पाते हैं। दुखद स्थिति यह भी है कि मरने वालों में सर्वाधिक संख्या युवाओं की होती है। एक आंकड़े के अनुसार मरने वालों में 66 फीसदी लोग 18 से 34 साल के बीच होते हैं। जो अपने परिवार के कमाने वाले व्यक्ति होते हैं। फलतः हादसे के बाद कई परिवार गरीबी के दलदल में धंस जाते हैं। दरअसल, सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण तेज गति से वाहन चलाना भी है। सड़क परिवहन मंत्रालय की रिपोर्ट बताती है कि ओवर स्पीडिंग से 68 फीसदी से अधिक सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। वहीं निर्धारित स्पीड से अधिक तेजी से वाहन चलाने से होने वाली दुर्घटनाओं के चलते ही 68 फीसदी मौतें भी होती हैं। निश्चित रूप से ये हादसे व मौतें मानवीय व्यवहार की कमजोरी से जुड़े हैं। जहां देश में राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे का तेजी से विस्तार हुआ है तो बेहतर सड़कों में वाहन चालकों की गति अनियंत्रित हो चली है। जो कालांतर सड़क हादसों की वजह बनती है। यह विडंबना है कि हम अकसर सुरक्षा नियमों की अनदेखी करते हैं। आज की युवा पीढ़ी हेलमेट पहनने से परहेज करती है। यह जानते हुए कि हादसों में सिर की चोट जानलेवा बन जाती है। सड़क परिवहन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023 में हेलमेट न लगाने के कारण 54,568 लोगों की मौत हुई। वहीं सीट बेल्ट न लगाने से 16 हजार से अधिक यात्रियों की जान गई। इन हादसों की एक बड़ी वजह ऐसे अकुशल चालकों का होना भी था, जिनके पास ड्राइविंग लाइसेंस तक नहीं था। आंकड़ों के अनुसार दुर्घटनाओं के लिये जिम्मेदार चालकों में 33,827 ऐसे थे जिनके पास लाइसेंस नहीं थे। देश में बड़ी संख्या ऐसे चालकों की होती है, जो मेडिकली फिट नहीं होते। इसके अलावा जुगाड़ से ले-देकर लाइसेंस बनाने वालों की भी कमी नहीं है। वे वाहन चलाने की पर्याप्त योग्यता व अनुभव के बिना ही चालक बन बैठते हैं। हाल के वर्षों में नशे की हालात में वाहन चलाने का फैशन भी बना है। कई हादसों के बाद खुलासा हुआ कि फलां चालक नशे में धुत था। हालांकि, महानगरों व शहरों में नाका लगाकर शराब पीकर वाहन चलाने वालों की पकड़-धकड़ की जाती है। लेकिन राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे पर ऐसी जांच बड़े पैमाने पर होती नजर नहीं आती। वहीं ऐसे चालकों की भी कमी नहीं है, जो फोन पर बात करते हुए वाहन चलाते हैं। जिससे लगातार दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। निश्चित रूप से फोन पर बातचीत करता व्यक्ति भावावेश में उद्वेलित हो सकता है, जिससे वाहन चलाने की गुणवत्ता बाधित होती है। वाहन को सुरक्षित ढंग से चलाना भी एक कला है। चालक का मानसिक रूप से शांत होना भी जरूरी है। हाल के दिनों में सड़कों की बेहतर स्थितियों में लोगों में रात में सफर करने का रुझान बढ़ा है। गाहे-बगाहे चालक को झपकी लगने पर दुर्घटना होने के समाचार अकसर सुनने में आते हैं। निश्चित रूप से सड़क हादसों के मूल में तकनीकी कारण और सड़कों के डिजाइन व गुणवत्ता की भी भूमिका होती है।

.. दुनियाभर में बढ़ रही है ध्यान योग की स्वीकार्यता!

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

(21 दिसंबर विश्व ध्यान दिवस पर)

पतंजलि के योगसूत्र से लेकर गीता के उपदेश तक हर जगह ध्यान को बहुत महत्वपूर्ण माना गया है।अभी तक कुछ लोग योग आसनों को ही ध्यान समझते रहे हैं, लेकिन देश दुनिया मे राजयोग के माध्यम से स्वयं को देहभान से परे कर आत्मस्वरूप में रहकर परमात्मा के प्रति ध्यान लगाने की विधि को ब्रह्माकुमारीज़ संस्था ने ही पहुंचाया है ।शारिरिक आसन के द्वारा हम अपने शरीर को मजबूत करने के साथ ही रोग मुक्त बना सकते हैं, ताकि ध्यान लगाकर हम एक साथ तन-मन को लाभ पहुंचा सकते है। हमारा शरीर एक जगह पर स्थिर हो और ध्यान की प्रक्रिया आसानी से हो सके इसके लिए श्रीमद् भगवद् गीता में ध्यान को लेकर महत्वपूर्ण बातें बताई गई हैं, और साथ ही इससे होने वाले लाभ का भी गीता में उल्लेख किया गया है।

भगवद् गीता में ध्यान को एक योगक्रिया माना गया है। जो आपको आत्म अनुशासन की ओर ले जाता है। निरंतर इसका अभ्यास करने से एकाग्रता बढ़ती है, तनाव से मुक्ति मिलती है। मानसिक स्थिरता और संतुलन भी ध्यान करने से प्राप्त होता है। विकारों से मुक्ति पाने और मन की निर्मलता के लिए भी ध्यान किया जाता है। ध्यान जब गहन होने लगता है तो व्यक्ति को समाधि की प्राप्त होने लगती है। ध्यान के जरिए आत्मा का परमात्मा से मिलन ही ब्रह्माकुमारीज़ का राजयोग है। यानि ध्यान वह योग प्रक्रिया है जिसके जरिये हम स्वयं पर सिद्धि प्राप्त करते हैं। ध्यान करने वाले व्यक्ति का मन नियंत्रित रहता है और वो वर्तमान में जीता है। मानसिक और शारीरिक स्थिरता को ही ध्यान कहा जाता है।

गीता के पंचम और षष्ठम अध्याय में योग करने की सही विधि की जानकारी हमको मिलती है।श्रीकृष्ण ने परमात्म निमित्त बन अर्जुन को महाभारत के युद्ध के समय बताया है कि, कैसे मन और इंद्रियों को वश में करने के लिए ध्यान क्रिया की जानी चाहिए।

गीता के अनुसार, ध्यान करने के लिए सबसे पहले किसी शुद्ध स्थान पर आसन बिछाकर बैठना चाहिए। हालांकि इस बात का ध्यान रखें कि, ना ही स्थान बहुत ऊंचा हो और ना ही बहुत नीचे। आसन पर बैठने के बाद अपनी सांसों पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करनी चाहिए और इंद्रियों और मन को नियंत्रिण में लाने का अभ्यास करना चाहिए।

ध्यान करने के लिए सिर व गले को समान और अचल रखते हुए सुखासन में योगी को बैठना चाहिए। बाहरी चीजों से ध्यान को हटाकर नासिका के अग्र भाग यानि दोनों भौहों के बीच जहां आत्मा निवास करती है,के प्रति ध्यान केंद्रित करना चाहिए। तत्पश्चात सभी प्रकार के विषयों से मन को हटाकर नेत्रों को भृकुटी के मध्य में स्थिर करने का प्रयास करना चाहिए। इसके बाद प्राण और अपान वायु को सम करना चाहिए।

इसके बाद मन के सभी विकारों से दूर होकर, उत्तेजनारहित और शांति के साथ ध्यान और ईश्वर के चिंतन में बैठे रहना चाहिए। इस तरह से निर्मल और निर्विकार व्यक्ति परमतत्व का ध्यान करते हुए आनंद की अंतिम सीमा को प्राप्त करता है और उसे शांति मिलती है। गीता के अनुसार, ध्यान उसका ही सिद्ध होता है, जो न अधिक खाता है और ना ही अधिक भूखा रहता है। अधिक जगाने या सोने वाले को भी ध्यान की सिद्धि प्राप्त नहीं होती। सुख में अत्यधिक खुश और दुख में ज्यादा दुखी होने वाला व्यक्ति भी ध्यान को सिद्ध नहीं कर पाता। गीता में बताया गया है कि, जो व्यक्ति उचित आहार-विहार करता है, उसी को ध्यान-योग में सिद्धि प्राप्त होती है।

गीता में बताई गई इन शिक्षाओं को जीवन में आजमाकर हम ध्यान कर सकते हैं और मानसिक शांति पा सकते हैं। ध्यान करने से हमको न केवल मानसिक शक्ति मिलती है, बल्कि अपने लक्ष्यों को भी हम पा सकते हैं। ध्यान हमारी एकाग्रता को बढ़ाता है और हम अपना शतप्रतिशत अपने लक्ष्य को दे पाते हैं। इसके साथ ही एक आदर्श और व्यवस्थित समाज भी ध्यान के जरिए हम स्थापित कर सकते हैं। ध्यान मानसिक और शारीरिक विकारों को दूर करता है, यानि स्वस्थ जीवन जीने के लिए भी ध्यान करना अति आवश्यक है। इस वर्ष विश्व ध्यान दिवस की थीम आंतरिक शांति, वैश्विक सद्भाव है। पतंजलि के योगसूत्र से लेकर गीता के उपदेश तक हर जगह ध्यान को बहुत महत्वपूर्ण बताया गया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा में कोर समूह के अन्य देशों के साथ मिल कर भारत ने 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस के रूप में घोषित करने के प्रस्ताव को स्वीकार किया है।वास्तव में ध्यान मानसिक तथा शारीरिक विकारों को दूर करने में कारगर होने के साथ ही यह स्वस्थ जीवन जीने के लिए भी प्रेरित करता है।विश्व ध्यान दिवस को एक अंतरराष्ट्रीय उत्सव भी हम कह सकते है, जिसमें शारीरिक, मानसिक तथा भावनात्मक कल्याण के लिए ध्यान का अभ्यास करने का संकल्प लिया गया है।

भारत के साथ श्रीलंका, नेपाल, मैक्सिको, लिकटेंस्टीन और अंडोरा जैसे 193 सदस्यीय देशो ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में विश्व ध्यान दिवस के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित करने में अहम भूमिका निभाई ।जिसे आत्मसात करने के लिए 140 देशो की अंतरराष्ट्रीय आध्यात्मिक संस्था ब्रह्माकुमारीज़ ने एक सार्थक पहल की है।ब्रह्माकुमारीज़ का उद्देश्य दुनिया मे शांति को बहाल करना है।

इसके लिए, यह संस्था लोगों को सहज राजयोग की विधि सिखाती है।साथ ही ब्रह्माकुमारीज़ के ज़रिए लोगों को आध्यात्मिक ज्ञान भी दिया जाता है ।इसी ईश्वरीय ज्ञान के जरिए युग परिवर्तन होना अवश्यसम्भावी है।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक व वरिष्ठ साहित्यकार है)

कठिन काम

एक लड़का महात्मा के पास पहुंचा। लड़का बड़ा शैतान था, उसको देखते ही महात्मा ने भांप लिया। इसलिए मनोवैज्ञानिक ढंग से प्रतिबोध देने के लिए महात्मा बोले- बच्चे! तुम तो बड़े तेज दिखाई देते हो। वह अपनी प्रशंसा सुनकर खुश हुआ और कहने लगा - स्कूल में सब लड़के मुझसे डरते हैं। महात्मा- अच्छा, तुम सरल काम करना चाहते हो या कठिन? लड़का- मैं कठिन से कठिन काम करना चाहता हूं। महात्मा- तुम्हें कोई गाली दे तो तुम क्या करोगे? लड़का- मुझे कोई एक गाली देगा तो उसको दस गाली सुनाऊंगा।

महात्मा- ऐसा करना सरल है या कठिन? लड़का- महात्माजी! यह तो मैं बड़ी आसानी से कर लेता हूं। महात्मा- तुम तो तेज लड़के हो, ऐसा सरल काम क्यों करते हो? लड़का कुछ सकुचाता हुआ बोला- अच्छा, आज से मैं कठिन काम करूंगा। महात्मा- गाली सहना बहुत कठिन है। गाली सुनकर गाली देने वाले बहुत मिलेंगे, पर उस समय खामोश रहने वाले विरले ही होते हैं। लड़का- महात्मा जी! जैसा आपने कहा है, मैं वैसा ही कठिन काम करूंगा। लड़का महात्माजी को वचन देकर आगे चला तो उसे एक दोस्त मिला। उसने एक कंकर उस पर फेंका। वह बालक तिलमिला गया। इतने में उसे महात्मा के शब्द याद आ गए। वह शांत खड़ा रहा।

सामने वाला बच्चा यह देखकर दंग रह गया। वह बोला- भैया! मैंने अच्छा नहीं किया, क्षमा करना। ऐसा सुनकर उसने संकल्प कर लिया कि जीवन की स्वस्थता के लिए वह ऐसे ही काम करेगा।

विचार मंथन

खुली आंख से देखकर फैसला करें जज

(लेखक-सनत जैन)

राजस्थान में हाल ही में आए एक न्यायिक फैसले ने देशभर में बहस छेड़ दी है। क्या सही न्याय करने पर अब जजों को दंड मिलेगा? एक दर्जन से ज्यादा जजों को लेकर ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिसमें शासन की मंशा के विपरीत यदि किसी जज ने फैसला देने का साहस किया है, तो उसे न्याय करने पर दंड दिया गया है। राजस्थान के एक जज दिनेश गुप्ता ने कानून के दायरे में रहकर राजस्थान सरकार के 1400 करोड़ रूपए का घोटाला उजागर करने वाला फैसला दिया। अदालत के इस फैसले से राजस्थान सरकार नाराज हो गई। रातों-रात जज महोदय का ट्रांसफर जयपुर से व्याबर कर दिया गया। राजस्थान हाईकोर्ट ने जज साहब के फैसले को स्थगित कर देश के सबसे बड़े पूंजीपति को राहत देकर यह साबित कर दिया है, न्यायालय के सामने कौन है, उसको देखकर फैसले दिए जाएंगे। न्याय की देवी की ऑखो से काली पट्टी हटा ली गई है। न्याय एवं समरथ के पक्ष में होगा। भारत में सरकार और पूंजीपतियों के खिलाफ फैसला करने वाले जज अब दंडित होंगे। राजस्थान की सरकार ने छत्तीसगढ़ में कोल खदान को लेकर एक संयुक्त कंपनी बनाई थी। इस कंपनी ने परिवहन के नाम पर अनुबंध के विपरीत राजस्थान सरकार से 1400 करोड़ रुपए की मांग परिवहन के नाम पर की थी। राजस्थान सरकार यह भुगतान करने के लिए तैयार हो गई थी। इसी बीच देश के सबसे बड़े पूंजीपति की कंपनी ने 1400 करोड़ रुपए की राशि का ब्याज भी मांग लिया। कंपनी खुद ही मामले को न्यायालय में ले गई। न्यायालय ने जब सारे एग्रीमेंट का अध्ययन किया, तब न्यायाधीश ने यह सुनिश्चित किया, कि 1400 करोड़ रुपए की जो राशि दी जा रही है, वह अनैतिक और अवैधानिक है। कोर्ट ने राज्य सरकार की मंशा के खिलाफ फैसला सुनाते हुए संयुक्त कंपनी पर 50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। इससे सरकार और देश के सबसे बडे पूंजीपति दोनों ही नाराज हो गए। खामियाजा जज महोदय को भुगतना पड़ा। यह अकेला मामला नहीं है, बल्कि इसी तरह के कई मामले हाईकोर्ट जजों के साथ पूर्व में हो चुके हैं।

जिन जजों ने सरकार की मंशा के विपरीत फैसला देने का साहस किया है, उन जजों को दंड स्वरूप डिमोशन के साथ ट्रांसफर करने के कई मामले सामने आ चुके हैं। जिस जज ने यह साहसिक सही फैसला सुनाया, उसे दंड मिला। जो दोषी था, उसे जजों के ट्रांसफर से न्याय की अनुभूति हुई। सबसे बड़ा सवाल यह है, क्या वर्तमान में जिला कोर्ट और हाईकोर्ट के जज निडर होकर न्याय कर सकते हैं? न्यायपालिका सत्ता के प्रभाव और पूंजीप तियों की हैसियत के दबाव में फैसला करेगी।

न्यायव्यवस्था लोकतंत्र का वह स्तंभ है जिस पर आम नागरिक का सबसे ज्यादा भरोसा होता है। जब कार्यपालिका और विधायिका पर सवाल उठते हैं, तब जनता की आखिरी उम्मीद अदालत से होती है। राजस्थान के इस मामले में जज ने यह साबित किया। उसने संविधान और दस्तावेजों के आधार पर नियम के अनुसार बिना किसी पक्षपात के, सही निर्णय किया। इसके बाद भी उसे केवल इसलिए दंडित किया गया, कि न्यायालय के निर्णय से राजस्थान सरकार के भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों के हितों पर चोट पहुंची। देश के सबसे बड़ी पूंजीपति की कंपनी को जज साहब के फैसले से 1400 करोड़ रुपए का नुकसान होने जा रहा था। जज का आधी रात को ट्रांसफर किए जाने के बाद न्यायपालिका और सरकार की एक कड़वी सच्चाई सामने आई है। ऐसे साहसिक और ईमानदारी वाले फैसले अपवाद क्यों बनते जा रहे हैं? हर न्यायिक निर्णय के बाद जज की सुरक्षा, ट्रांसफर या भविष्य को लेकर चर्चाएं शुरू हो जाती हैं? क्या जज को सरकार और कॉर्पोरेट के हितों के विपरीत न्याय करने की कीमत चुकानी पड़ेगी? अगर हां, तो यह लोकतंत्र के लिए बेहद खतरनाक संकेत है। आज देश में कई ऐसे मामले हैं, जहां सालों तक फैसले नहीं आते, फैसले आते हैं तो वह सवालों के घेरे में होते हैं। आम आदमी को लगता है, ताकतवर के लिए न्यायलय में कानून अलग है, कमजोर के लिए अलग न्याय व्यवस्था है। राजस्थान सरकार और हाईकोर्ट का यह फैसला इस धारणा को पुष्ट करता है। वर्तमान में न्यायपालिका की यह तस्वीर अब चिंताजनक है। असल सवाल यह है, जिस जज ने न्याय किया, उसे संरक्षण मिलना था। उसके विप रित वर्तमान व्यवस्था क्या जज को न्याय करने दे रही है? क्या राजनीतिक दबाव, मीडिया ट्रायल और सोशल मीडिया का शोर सत्य एवं न्याय के रास्ते में बाधा नहीं बन रहा? अगर न्यायपालिका स्वतंत्र नहीं होगी, तो संविधान केवल कागज का दस्तावेज बनकर रह जाएगा। जनता स्वयं निर्णय करने लगेगी। पिछले कुछ वर्षों में न्यायपा लिका की भू मिका सरकार को संर क्षित करने की रही है। न्यायालयों में गरीबों को न्याय के स्थान पर ता रीख पर तारीख मिलती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जापान की कंपनी ने श्रीराम फाइनेंस में खरीदी बड़ी हिस्सेदारी

मुंबई ।

जापान की प्रमुख वित्तीय कंपनी मित्सुबिशी यूएफजे फाइनेंशियल ग्रुप ने भारत की श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड में 20 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने का फैसला किया है। इस सौदे की कुल राशि 39,618 करोड़ रुपए बताई गई है। विशेषज्ञ इसे भारतीय वित्तीय बाजार में वैश्विक भरोसे का बड़ा संकेत मान रहे हैं। कंपनी यह हिस्सेदारी तरजीही इक्विटी शेयरों के माध्यम से हासिल करेगा। इस निवेश से श्रीराम फाइनेंस का पूंजी आधार मजबूत होगा, फंडिंग लागत घटेगी और कंपनी के मुनाफे में सुधार की उम्मीद बढ़ेगी। दा **शेयरधारकों की मंजूरी और नियामक स्वीकृति के अधीन रहेगा। कंपनी ने कहा कि यह दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है और इससे क्रेडिट रेटिंग और बाजार में साख में संभावित मजबूती आएगी।

10 मिनट में चार्ज होगी बैटरी, 300 किलोमीटर तक दौड़ेगी

उदयपुर । राजस्थान के उदयपुर में बिस्मा गांव के चिराग ने एक ईवी मोटर तैयार की है। जो 10 मिनट की चार्जिंग में 300 किलोमीटर की यात्रा पूरी कर सकेगी। ई-व्हीकल बड़ी तेजी के साथ बढ़ते चले जा रहे हैं। चार्जिंग के टाइम और उसमें कितना सफर होगा। इसको लेकर हमेशा शंका बनी रहती है। जिसके कारण लगातार नए-नए प्रयोग हो रहे हैं। निजी कंपनी में कार्य कर रहे उदयपुर के चिराग ने एक ईवी मोटर तैयार की है। इसका सफल ट्रायल हो चुका है। अब इसे व्यावसायिक मॉडल में बदलने के लिए इसमें आवश्यक परिवर्तन किये जा रहे हैं।

श्री सीमेंट करेगी दो हजार करोड़ का निवेश

नई दिल्ली । सीमेंट कंपनी ने महाराष्ट्र के विदर्भ में 20 लाख टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) की नई उत्पादन इकाई लगाने की घोषणा की है। इस परियोजना में 2,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा। कंपनी का लक्ष्य अपनी कुल उत्पादन क्षमता को 80 एमटीपीए तक बढ़ाना है। कंपनी के एक अे धिकारी ने कहा कि समूह का राज्य के साथ लंबे समय से संबंध रहा है। पिरामल फाइनेंस ने श्रीराम लाइफ इंश्योरेंस में अपना 14.72 फीसदी हिस्सा दक्षिण अफ्रीका के सैनलाम समूह को 600 करोड़ रुपये में बेचने का निर्णय लिया। सैनलाम पहले से कंपनी का विदेशी बीमा साझेदार है। शेयर खरीद समझौता दोनों पक्षों के बीच हुआ और यह सौदा 31 मार्च, 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है।

भारत में एमआईसीई पर्यटन को बढ़ावा देने कई शहरों में खुलेंगे ब्यूरो

- सार्वजनिक-निजी भागीदारी पर आधारित पहल

नई दिल्ली । पर्यटन मंत्रालय अगले वर्ष से विभिन्न भारतीय शहरों में शहर-स्तरीय सम्मेलन प्रोत्साहन ब्यूरो खोलेगा। ये ब्यूरो सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर काम करेंगे और हर राज्य की राजधानी तथा एक अन्य प्रमुख शहर में स्थापित किए जाएंगे। इसका उद्देश्य छोटे शहरों की क्षमता बढ़ाना और उन्हें अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी के लिए तैयार करना है। ये ब्यूरो एमआईसीई (मी टिंग, इंसे टिव, कान्फ्रेंस, एक्जी विशन) गतिविधियों का समन्वय करेंगे। दिल्ली के भारत मंडपम और यशोभूमि कॉम्प्लेक्स तथा मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर जैसी प्रतिष्ठित जगहों को इस पहल में प्राथमिकता दी जाएगी। 2026 से ये ब्यूरो स्वतंत्र निकाय के रूप में कार्य करेंगे और वैश्विक आयोजनों के लिए समन्वित सहयोग प्रदान करेंगे। एआई और डिजिटल समाधान अपनाकर भारत को भविष्य का पेशेवर आयोजन गंतव्य बनाया जाएगा। इस पहल का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में वैश्विक एमआईसीई बाजार में भारत की हिस्सेदारी दो गुना करना है।

आईएचसीएल वेल्लोर में 'विवांता' होटल खोलेगा

- कंपन ने बीबीके ग्रुप के साथ साझेदारी की

चेन्नई । इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आईएचसीएल) ने तमिलनाडु के वेल्लोर में 'विवांता' ब्रांड के तहत नया होटल खोलने की घोषणा की है। इस परियोजना के लिए कंपनी ने बीबीके ग्रुप के साथ साझेदारी की है। वेल्लोर का यह होटल कुल 100 कमरों वाला होगा और इसमें समकालीन डिज़ाइन के साथ जीवंत स्थल होंगे। होटल का निर्माण शहर के उभरते बुनियादी ढांचे और बेहतर संपर्क सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा। वेल्लोर एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक और औद्योगिक केंद्र है। भारत सरकार के स्मार्ट सिटी मिशन में शामिल होने से शहर की विकास क्षमता और भी बढ़ी है। आईएचसीएल और बीबीके समूह दोनों इस साझेदारी और विवांता ब्रांड की पेशकश को लेकर उत्साहित हैं।

सोने की कीमतों में गिरावट

चांदी ने दिखाया मजबूत प्रदर्शन

- बीते एक हफ्ते में 24 कैरेट सोना 1,200 रुपए गिरा, चांदी 2 लाख के पार

नई दिल्ली ।

भारत में सोने की कीमतें हाल के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बाद अब गिरावट दिखा रही हैं। बीते एक हफ्ते में 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत में 1,200 रुपए और 100 ग्राम सोने की कीमत में 12,000 रुपए की कमी आई है। फिलहाल 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,34,180 रुपए और 100 ग्राम 13,41,700 रुपए पर कारोबार कर रहा है। वहीं, 22 कैरेट और 18 कैरेट सोने की कीमत क्रमशः 1,23,000 रुपए और 1,00,630 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गई है। दिसंबर माह की बात करें तो सोने की कीमतों में अब तक लगभग 3 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई है। बाजार के जानकारों का अनुमान है कि शॉर्ट टर्म में सोने की कीमत 1,31,500 से 1,34,000 रुपए प्रति 10 ग्राम की रेंज में बनी रह सकती है। ऐसे में क्रिसमस वीक के दौरान सोना नए रिकॉर्ड स्तर तक नहीं पहुंच सकता। चांदी की कीमतों में भी हल्की गिरावट आई है। एक किलोग्राम चांदी का भाव 2,09,000 रुपए है, जो 18 दिसंबर को बने ऑल टाइम हाई 2,11,000 रुपए से 3,000 रुपए कम है। वहीं, 100 ग्राम चांदी 20,900 रुपए और 10 ग्राम 2,090 रुपए पर बिक रही है। दिसंबर में

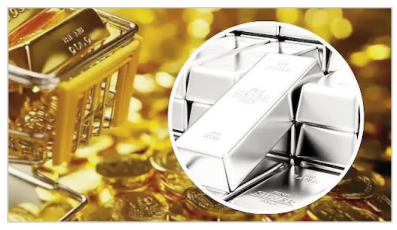

चांदी ने सोने की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है और अब तक लगभग 11 फीसदी की तेजी दर्ज की गई है। दिल्ली, जयपुर, लखनऊ और चंडीगढ़ में 24 कैरेट सोना 13,433 रुपए प्रति ग्राम पर है। मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद में 24 कैरेट सोना 13,418 रुपए और दक्षिण भारत के शहरों जैसे चेन्नई, कोयंबटूर व मदुरै में 13,528 रुपए प्रति ग्राम पर कारोबार हो रहा है।

निफ्टी 50 मजबूत, स्मॉलकैप शेयरों की हालत खराब

- छोटे शेयरों में गिरावट और अस्थिरता देखते हुए निवेशकों को सावधानी बरतनी चाहिए

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार का प्रमुख सूचकांक निफ्टी 50 फिलहाल अपने 52 सप्ताह के उच्च स्तर के करीब है। यह संकेत देता है कि बड़े और स्थिर शेयर निवेशकों के बीच भरोसे का केंद्र बने हुए हैं। निवेशक इस समय जोखिम कम रखना पसंद कर रहे हैं और अधिकतर पूंजी बड़ी कंपनियों में लगा रहे हैं। हालांकि, गहराई से देखें तो स्थिति बिल्कुल अलग है। बीएसई 500 और निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स में अधिकांश छोटे शेयर अपने 52 सप्ताह के उच्च स्तर से 20 से 69 फीसदी तक नीचे हैं। बीएसई 500 में हर चौथा शेयर औसतन 30 फीसदी नीचे है। स्मॉलकैप सेगमेंट में केवल 10 शेयर ही अपने शिखर के करीब हैं। इसका मतलब है कि छोटे शेयरों में निवेशकों का विश्वास फिलहाल कमजोर है। छोटे शेयर वैश्विक और घरेलू मैक्रो इवेंट्स के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। इस साल रुपए की कमजोरी और अंतरराष्ट्रीय व्यापार नीति जैसे ट्रंप टैरीफ का असर स्मॉलकैप कंपनियों पर तेजी से दिखा है। इसी वजह से निवेशक जोखिम लेने से बच रहे हैं और छोटे शेयर पिछड़ रहे हैं। बाजार की सतह (निफ्टी 50) को देखकर पूरी तरह तेजी का अनुमान लगाना सही नहीं है। छोटे शेयरों में गिरावट और अस्थिरता देखते हुए निवेशकों को सावधानी बरतनी चाहिए। लंबे समय में सही चयन और सोच-समझकर निवेश करने से ही स्मॉलकैप निवेश लाभकारी हो सकता है।

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने उतार-चढ़ाव भरा रुख दिखाया

सप्ताह की कुल गिरावट लगभग 0.3 फीसदी रही पर शुक्रवार की तेजी ने निवेशकों में भरोसा बहाल किया

मुंबई ।

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने उतार-चढ़ाव भरे रुख को दिखाया। बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी 50 दोनों सूचकांकों में कुल मिलाकर लगभग 0.3 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, लेकिन सप्ताह के अंत में आई मजबूती ने निवेशकों के भरोसे को थोड़ा बहाल किया। सप्ताह की शुरुआत में वैश्विक बाजारों की कमजोरी, अमेरिकी और एशियाई संकेतों में नकारात्मक रुख, और घरेलू स्तर पर रुपये की गिरावट ने बाजार पर दबाव डाला। इसके परिणामस्वरूप सोमवार और मंगलवार को सेंसेक्स और निफ्टी दोनों लाल निशान में बंद हुए।सोमवार को सेंसेक्स 54.30 अंक गिरकर 85,213.36 पर और निफ्टी 19.65 अंक गिरकर 26,027.30 पर बंद हुआ। मंगलवार को गिरावट और तेज रही, सेंसेक्स 533.50 अंक गिरकर 84,679.86 और निफ्टी 167.20 अंक गिरकर 25,860.10 पर बंद हुआ। निवेशकों में सतर्कता बढ़ गई और बाजार में बेचवाली का दबाव नजर आया।

सप्ताह के मध्य बुधवार और गुरुवार को बाजार ने कुछ हद तक स्थिरता दिखाई। शुरुआती कारोबार में हल्की मजबूती देखने को मिली, लेकिन सेंसेक्स और निफ्टी दोनों दिनों लाल निशान में बंद हुए। बुधवार को सेंसेक्स 120.21 अंक गिरकर 84,559.65 और निफ्टी 41.55 अंक गिरकर 25,818.55 पर बंद हुआ। गुरुवार को मामूली गिरावट रही, सेंसेक्स 77.84 अंक गिरकर 84,481.81 और निफ्टी 3.00 अंक गिरकर 25,815.55 पर बंद हुआ। शुक्रवार को बाजार ने चार दिनों की गिरावट के बाद मजबूती दिखाई। अमेरिकी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आंकड़े उम्मीद से कम आने के कारण फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावना बढ़ गई। इसका सकारात्मक असर भारतीय बाजार पर पड़ा। सेंसेक्स 447.55 अंक की बढ़त के साथ 84,929.36 और निफ्टी 150.85 अंक की मजबूती के साथ 25,966.40 पर बंद हुआ।

भारत, नीदरलैंड ने संयुक्त व्यापार एवं निवेश समिति का गठन किया

नई दिल्ली ।

भारत और नीदरलैंड ने द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग को मजबूत करने के लिए एक संयुक्त व्यापार और निवेश समिति का गठन किया है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। दोनों देशों ने इसके लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। समिति का मुख्य उद्देश्य भारत और नीदरलैंड के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को और सुदृढ़ करना है। यह द्विपक्षीय व्यापार की समीक्षा करेगी, निवेश को बढ़ावा देगी, निवेश और व्यापार से जुड़े मुद्दों को सुलझाएगी और आपसी हित के क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं की पहचान करेगी। समझौते के तहत स मिति की बैठक हर साल आयोजित होगी और इसे बारी-बारी से भारत और नीदरलैंड में आयोजित किया जाएगा। इससे दोनों देशों के बीच संस्थागत स्तर पर लगातार संपर्क बना रहेगा और दीर्घकालिक आर्थिक सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।

आरबीआई ने कोटक महिंद्रा बैंक पर 61.95 लाख रुपए का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कोटक महिंद्रा बैंक पर बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच, बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट अकाउंट्स, बिजनेस कोरसपोंडेंट्स (बीसी) द्वारा की जाने वाली गतिविधियों के दायरे और क्रेडिट सूचना कंपनी नियम, 2006 (सीआईसी नियम) के प्रावधानों के उल्लंघन के संबंध में 61.95 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। केंद्रीय बैंक ने कहा, आरबीआई के निर्देशों, सीआईसी नियमों और संबंधित पत्राचार के प्रावधानों का अनुपालन न करने के पर्यवेक्षी निष्कर्षों के आधार पर, बैंक को नोटिस जारी किया गया था जिसमें उसे यह कारण बताने को कहा गया था कि आरबीआई के निर्देशों और सीआईसी नियमों के उक्त प्रावधानों का अनुपालन न करने के लिए उस पर जुर्माना क्यों न लगाया जाए। बैंक द्वारा नोटिस के जवाब और अतिरिक्त प्रस्तुतियां पर विचार करने के बाद, आरबीआई ने पाया कि बैंक ने कुछ इसतरह के ग्राहकों के लिए एक और बीएसबीडी खाता खोला था जिनके पास पहले से ही बैंक में बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट अकाउंट (बीएसबीडी) था। इसके अतिरिक्त, बैंक ने बीसी के साथ ऐसी गतिविधियों को करने के लिए एक समझौता किया है, जो बीसी द्वारा की जा सकने वाली गतिविधियों के दायरे में नहीं आती हैं। इसके अलावा, आरबीआई के कहा कि बैंक ने कुछ उधारकर्ताओं के संबंध में क्रेडिट सूचना कंपनियों (सीआईसी) को गलत जानकारी दी। आरबीआई ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई वैधानिक और नियामक अनुपालन में कमियों पर आधारित है और इसका उद्देश्य बैंक द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता पर कोई टिप्पणी करना नहीं है। आरबीआई ने आगे कहा, इसके अलावा, मौद्रिक जुर्माना लगाने का निर्णय आरबीआई द्वारा बैंक के खिलाफ शुरू की जाने वाली किसी भी अन्य कार्रवाई पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालेगा।

ओडिशा का हैदराबाद निवेशक सम्मेलन में 67,000 करोड़ का निवेश प्रस्ताव

भुवनेश्वर।

हैदराबाद में आयोजित दो दिवसीय निवेशक सम्मेलन में ओडिशा सरकार को लगभग 67,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने सम्मेलन में भाग लिया और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को संबोधित किया। इसका उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में निवेश को आकर्षित करना और ओडिशा को दीर्घकालिक निवेश का केंद्र बनाना था। सम्मेलन में दवा उद्योग, चिकित्सा उपकरण, नवीकरणीय ऊर्जा, वस्त्र, इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी, डाटा सेंटर और उन्नत विनिर्माण में उद्योग की रुचि देखी गई। इस दौरान 13 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए, जिनसे 27,650 करोड़ रुपये के निवेश और लगभग 15,905 रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। इसके अलावा 39,131 करोड़ रुपये के अन्य निवेश प्रस्ताव भी प्राप्त हुए हैं, जिनसे 40,000 से अधिक रोजगार के अवसर पैदा होने की संभावना है। माझी ने कहा कि ओडिशा स्थिर नीतियों, प्रतिस्पर्धी लागत और सहयोगपूर्ण प्रशासन के जरिए भविष्य के लिए तैयार निवेश गंतव्य बन रहा है। सम्मेलन में 500 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया और निवेश के अवसरों पर विस्तृत चर्चा हुई।

घरेलू निवेशक सक्रिय, भारतीय शेयर बाजार में निवेश बढ़ा 4.5 लाख करोड़ रुपए

- व्यक्तिगत निवेशकों की संख्या 2025 तक बढ़कर 12 करोड़ से अधिक हो गई

मुंबई।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की रिपोर्ट के अनुसार, इस साल घरेलू निवेशकों ने म्यूचुअल फंड्स और अन्य माध्यमों के जरिए लगभग 4.5 लाख करोड़ रुपए इक्विटी मार्केट में लगाए। व्यक्तिगत निवेशकों की संख्या 2019 में लगभग 3 करोड़ थी, जो 2025 तक बढ़कर 12 करोड़ से अधिक हो गई। यह दर्शाता है कि घरेलू बचत अब धीरे-धीरे शेयर बाजार की ओर आकर्षित हो रही है। रिपोर्ट में कहा गया कि केवल डायरेक्ट इक्विटी में ही निवेश नहीं बढ़ा, बल्कि म्यूचुअल फंड्स और मार्केट-लिंक्ड उत्पादों में भी निवेश में तेजी आई। 2020 के बाद घरेलू निवेश लगभग 17 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया। इससे यह साफ होता है कि भारत में लंबी अवधि के निवेश और बचत करने के तरीके में बड़ा बदलाव आया है। हालांकि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय शेयरों में सीमित रुचि दिखाई, घरेलू निवेशकों की मजबूत भागीदारी ने विदेशी प्रवाह की अस्थिरता का असर कम किया और बाजार को बाहरी झटकों से बचाने में मदद की। घरेलू निवेशकों ने अस्थिर बाजार और वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं के बावजूद दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाया। सितंबर तिमाही तक

कंपनियों की आय में सुधार हुआ। बेहतर वित्तीय साक्षरता ने निवेशकों को अधिक स्थिर और लंबे समय तक निवेश करने में सक्षम बनाया। घरेलू निवेशकों की बढ़ती भागीदारी भारतीय शेयर बाजार की स्थिरता और दीर्घकालिक विकास में अहम भूमिका निभा रही है। विदेशी निवेशकों की सीमित रुचि के बावजूद, घरेलू निवेश ने बाजार को मजबूती दी है और निवेश संस्कृति में सकारात्मक बदलाव दिखाया है।

भारत में ओपनएआई, गूगल और परप्लेक्सिटी ने एआई टूल्स मुफ्त किए

- भारत दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल बाजारों में से एक है, यहां लगभग 73 करोड़ स्मार्टफोन यूजर्स

नई दिल्ली ।

ओपनएआई, गूगल और परप्लेक्सिटी ने भारत में अपने प्रीमियम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल्स को मुफ्त में उपलब्ध कराना शुरू किया है। इसका मुख्य उद्देश्य भारतीय यूजर्स की संख्या तेजी से बढ़ाना है। भारत दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल बाजारों में से एक है, जहां लगभग 73 करोड़ स्मार्टफोन यूजर्स हैं और मोबाइल डेटा दुनिया में सबसे सस्ता है। यूजर्स हर महीने लगभग 21 गीगाबाइट डेटा इस्तेमाल करते हैं और प्रति गीगाबाइट केवल 9.2 सेंट का भुगतान करते हैं, जिससे एआई टूल्स का इस्तेमाल और किफायती हो जाता है। ओपनएआई ने अपना चेटजीपीटी गो प्लान भारत में एक साल के लिए मुफ्त कर दिया है। पहले यह प्लान 54 डॉलर सालाना था। सेंसर टॉवर के आंकड़ों के मुताबिक, भारत में चेटजीपीटी के दैनिक एक्टिव यूजर्स 73 मिलियन तक पहुँच गए हैं, जो पिछले साल की तुलना में 607 प्रतिशत की वृद्धि है। यह संख्या अमेरिका के दैनिक यूजर्स से दोगुनी है, जिससे भारत अब चेटजीपीटी के लिए सबसे बड़ा रोजाना यूजर बाजार बन गया है। परप्लेक्सिटी ने भी अपने प्रो प्लान को, जो दुनियाभर में 200 डॉलर सालाना है, एयरटेल ग्राहकों के लिए मुफ्त कर दिया। इसके बाद भारत के डेली एक्टिव यूजर्स की हिस्सेदारी 33 प्रतिशत तक पहुँच गई, जबकि यह पिछले साल केवल 7 प्रतिशत थी। यूजर इंगेजमेंट डेटा से पता चलता है कि भारत में चेटजीपीटी सबसे लोकप्रिय है। नवंबर में लगभग 46 प्रतिशत मासिक यूजर्स ने रोज ऐप खोला, जबकि परप्लेक्सिटी के लिए यह संख्या 20 प्रतिशत और जे मिनी के लिए 14 प्रतिशत थी।

भारत के बैंकों में ताबड़तोड़ हिस्सेदारी खरीद रहीं विदेशी कंपनियां

बैंकों और एनबीएफसी में हिस्सेदारी खरीदकर भारत की ग्रोथ स्टोरी में शामिल हो रही वैश्विक कंपनियां

नई दिल्ली ।

2025 में भारतीय फाइनेंशियल सेक्टर विदेशी निवेशकों के लिए सबसे बड़ा आकर्षण बनकर उभरा है। जापान, यूएई और अमेरिका की बड़ी वित्तीय संस्थाओं ने भारतीय बैंकों और एनबीएफसी में भारी निवेश किया है। पहली नजर में ये सौदे सामान्य साझेदारी जैसे दिखते हैं, लेकिन गहराई से देखने पर यह भारत की मजबूत आर्थिक स्थिति और तेज क्रेडिट ग्रोथ पर विदेशी भरोसे को दर्शाते हैं।

इस साल का सबसे बड़ा सौदा दिसंबर में सामने आया, जब जापान की मित्सुबिशी यूएफजे फाइनेंशियल ग्रुप (एमयूएफजी) ने श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड में 20 फीसदी हिस्सेदारी करीब 39,618 करोड़ रुपये में खरीदने का फैसला किया। इससे पहले मई में जापान की ही सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉर्पोरेशन (एसएमबीसी) ने यस बैंक में 20 फीसदी हिस्सेदारी 13,483 करोड़ रुपये में खरीदी थी। इन सौदों से साफ है कि जापानी बैंक भारत को दीर्घकालिक ग्रोथ मार्केट मान रहे हैं। यूएई के एमिरेट्स एनबीडी बैंक ने आरबीएल बैंक में 60 फीसदी बहुमत हिस्सेदारी 26,853 करोड़ रुपये में खरीदने का फैसला किया।

वहीं अबू धाबी स्थित एवेनीर इन्वेस्टमेंट ने सम्मान कैपिटल में 43.46 फीसदी हिस्सेदारी लगभग 9,000 करोड़ रुपये में लेने की सहमति दी है। इसके अलावा एडीआईए और वारबर्ग पिंकस ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में मिलकर 7,500 करोड़ रुपये का निवेश किया।

अमेरिकी निवेश कंपनी ब्लैकस्टोन ने फेडरल बैंक में 6,196 करोड़ रुपये का निवेश किया। वहीं ज्यूरिख इंश्योरेंस ने कोटक महिंद्रा इंश्योरेंस में 70 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी।

अमेरिकी बाजार में इंफोसिस एडीआर में 40 फीसदी की उछाल

- लिक्विडिटी संकट और शॉर्ट-कवरिंग के चलते ट्रेडिंग रुकी, भारत में शेयर पर असर नहीं

न्यूयॉर्क ।

अमेरिकी शेयर बाजार में भारतीय आईटी दिग्गज इंफोसिस लिमिटेड के अमेरिकन डिपॉजिटरी रिसीट (एडीआर) में एक असाधारण हलचल देखने को मिली। शुरुआती सत्र में ही इंफोसिस एडीआर लगभग 40 फीसदी तक उछल गया, जिसके बाद भारी अस्थिरता के चलते ट्रेडिंग को अस्थायी रूप से रोकना पड़ा। दिलचस्प बात यह रही कि भारत में उसी दिन इंफोसिस का शेयर सिर्फ मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ और कंपनी की ओर से कोई बड़ी कॉरपोरेट घोषणा भी नहीं की गई। बाजार के जानकारों के मुताबिक इस तेज उछाल के पीछे मुख्य कारण शॉर्ट स्क्वीज रहा। यह स्थिति तब बनी जब एक बड़े संस्थागत लेंडर ने अचानक उधार दिए गए इंफोसिस एडीआर के करोड़ों शेयर वापस बुला लिए। शॉर्ट सेलर्स, जो शेयर उधार लेकर बेच चुके थे, उन्हें मजबूरी में खुले बाजार से शेयर खरीदने पड़े। मांग अचानक बढ़ने और सप्लाई सीमित होने से कीमतों में तेज उछाल आ गया। आमतौर पर इंफोसिस एडीआर में रोजाना 70 से 80 लाख शेयरों का कारोबार होता है,

लेकिन इस बार वापस बुलाए गए शेयरों की संख्या 4.5 से 5 करोड़ बताई जा रही है। यह सामान्य दैनिक वॉल्यूम से कई गुना अधिक थी, जिससे बाजार में लिक्विडिटी संकट पैदा हो गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बीसीसीआई ने टी-20 विश्वकप 2026 के लिए भारतीय टीम की घोषणा की

टी20 विश्वकप में सूर्यकुमार करेंगे भारतीय टीम की कप्तानी, शुभमन बाहर हुए, अक्षर होंगे उपकप्तान, ईशान किशन की वापसी

मुम्बई (एजेंसी)। अजीत अगरकर के नेतृत्व वाली (बीसीसीआई) चयन समिति ने आगामी टी20 विश्वकप 2026 के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित कर दी है। टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव करेंगे पर इस टीम में उपकप्तान शुभमन गिल को शामिल नहीं किया गया है। शुभमन अभी तक अपनी चोट से नहीं उबर पाये हैं। ऐसे में इस टूर्नामेंट में उपकप्तानी की जिम्मेदारी अक्षर पटेल को मिली है। अक्षर पहले भी उपकप्तानी संभाल चुके हैं। यही टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ जनवरी में होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज में भी खेलेगी। टी20 विश्वकप की मेजबानी 7 फरवरी से 8 मार्च तक भारत और श्रीलंका संयुक्त रुप से करेंगे। शुभमन के अलावा युव विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा को भी टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं पिछले दो साल से टीम से बाहर चल रहे विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन की वापसी हुई है। ईशान को बैकअप के तौर पर रखा गया है। वह विकेटकीपर होने के साथ ही सलामी बल्लेबाज

भी हैं। ईशान ने झारखंड की कप्तान करती हुए मुश्ताक अल ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया था जिसका लाभ उन्हें मिला है। इसके अलावा फिनिशर रिंकू सिंह की भी वापसी टीम में हुई है। रिंकू बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और आक्रामक बल्लेबाजी से मैच बदलने में माहिर हैं हालांकि पिछले कुछ समय से वह लय में नहीं हैं। इसके बाद भी चयनकर्ताओं ने उनपर भरोसा दिखलाया है। इसबार टीम में साल 2024 में विजयी टीम के सात खिलाड़ी शामिल नहीं हैं। इसमें कप्तान रोहित शर्मा से लेकर विराट कोहली, रविंद्र जडेजा, ऋषभ पंत, मोहम्मद सिराज, यशस्वी जायसवाल और युजवेंद्र चहल हैं। रोहित, विराट और जडेजा ने संन्यास लिया है जबकि मोहम्मद सिराज, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ और चहल को टीम में शामिल नहीं किया गया है।

टीम इस प्रकार है

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अक्षर पटेल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, वॉशिंगटन सुंदर और ईशान किशन (विकेटकीपर)

श्रीलंका ने असलंका की जगह शनाका को नया कप्तान बनाया

कोलंबे (एजेंसी)। श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने आगामी टी20 विश्व कप से पहले कप्तानी से चरित असलंका को हटा दिया है। वहीं दासुन शनाका को नया कप्तान बनाया गया है। चयन समिति के प्रमुख प्रमोदया विक्रमसिंघा ने कहा कि शनाका को लंबा अनुभव है। उन्होंने तीन विश्वकप खेले हैं। वहीं असलंका का फार्म पिछले काफी समय से अच्छा नहीं रहा है। वहीं दूसरी ओर कहा जा रहा है कि असलंका पिछले महीने सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान दौरे पर जाने से इंकार कर दिया था, इसी कारण उन्हें कप्तानी से हटाया गया है। विक्रमसिंघे के अनुसार, असलंका की खराब बल्लेबाजी फॉर्म और कप्तानी के बढ़ते बोझ को देखते हुए उनकी जगह शनाका को कप्तानी दी गयी है। असलंका टीम में एक विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में बने रहेंगे। बोर्ड चाहता है कि असलंका बिना किसी दबाव के बल्लेबाजी करें। विक्रमसिंघा ने कहा ,''नये कप्तान शनाका ऑलराउंडर की भूमिका निभाएंगे। हमें उम्मीद है कि असलंका बल्लेबाजी में अपनी लय हासिल कर लेंगे। मुख्य कोच सनत जयसूर्या से सलाह के बाद हमने तय किया कि बहुत सारे बदलाव करने की जरूरत नहीं है इसलिए टीम में अधिक बदलाव नहीं किये हैं।''

वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज निरोशन डिकवेला की चार साल बाद टीम में वापसी हुई है।

श्रीलंका प्रारंभिक टीम : दासुन शनाका (कप्तान), पाथुम निसांका, कुसल मेंडिस, कामिल मिशारा, कुसल परेरा, धनंजय डिसिल्वा, निरोशन डिकवेला, जनिथ लियानागे, चरित असलंका, कामिंदु मेंडिस, पवन रत्नायके, सहन अराचिगे, वानिंदु हसरंगा, दुनिथ वेलालागे, मिलन रत्नायके, नुवान तुषारा, एशान मलिंगा, दुष्मंता चामीरा, प्रमोद मदुशान, मथीशा पथिराना, दिलशान मदुशंका, महीष तीक्षणा, दुशान हेमंता, विजयकांत वियासकांत, ट्रावीन मैथ्यू।

अगरकर ने बताया शुभमन, जितेश के बाहर होने का कारण

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयनसमिति ने आगामी टी20 विश्वकप के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित कर दी। इस टीम में कुछ खिलाड़ियों को हाल में खराब प्रदर्शन के बाद भी जगह मिली है जबकि कुछ को अच्छे प्रदर्शन के बाद भी जगह नहीं मिली है। रिंकू सिंह का टीम में चयन और अक्षर पटेल को उप-कप्तान बनाने पर भी सवाल उठे हैं। सबसे हैरानी की बात ईशान किशन का चयन है। वहीं लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद भी जितेश शर्मा को टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने उपकप्तान शुभमन गिल को बाहर किये जाने पर कहा कि यह फैसला टीम संयोजन को ध्यान रखते हुए लिया गया है। टॉप में अगर आपके पास विकेट कीपर हो तो आप निचले क्रम तक अन्य बल्लेबाजों को अवसर दे सकते हैं। इसके अलावा अगरकर ने शुभमन गिल की फॉर्म पर भी चिंता जताई। शुभमन का औसत इस साल अच्छा नहीं रहा है। वह टी20 में वह एक भी बड़ा स्कोर नहीं बना पाये हैं। उनक बाहर होने का एक कारण फिट नहीं होना है। वहीं अगरकर ने माना है कि जितेश ने कोई गलती नहीं की पर उनके लिए टीम में जगह नहीं बन पायी क्योंकि सभी को शामिल नहीं किया जा सकता।

भारत और पाकिस्तान के बीच आज होगा अंडर-19 एशिया कप फाइनल

दुबई (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच रविवार को यहां अंडर-19 एशिया कप फाइनल खेला जाएगा। आयुष म्हात्रे की कप्तानी में भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट में अपने ग्रुप ए में सभी मुकाबले जीते हैं। सेमीफाइनल में भारतीय टीम श्रीलंका को आठ विकेट से हराकर फाइनल में पहुंची है। ऐसे में वह जीत की प्रबल दावेदार है। भारतीय टीम ने पाकिस्तान को भी ग्रुप चरण में 90 रनों से हराया है जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं।

भारतीय टीम की ओर से इस मैच में सभी की नजरें वैभव सूर्यवंशी और अभिज्ञान कुंडू पर रहेंगी। वैभव ने यूएई के खिलाफ 95 गेंदों में 171 रन बनाए, जबकि अभिज्ञान कुंडू ने मलेशिया के खिलाफ 125 गेंद में नाबाद 209 रन बनाये थे। ऐस में इस मैच में भी दोनो से धमाकेदार पारी की उम्मीद है। इनके अलावा आरोन जॉर्ज और विहान मल्होत्रा ने भी काफी अच्छा खेला है।

वहीं गेंदबाजी में दीपेश देवेंद्रन ने पाकिस्तान और मलेशिया के खिलाफ जबरदस्त गेंदबाजी कर अपने को साबित किया है। दूसरी ओर फरहान यूसुफ की कप्तानी वाली पाक टीम के पास काफी अच्छे तेज़ गेंदबाज हैं जिससे वह भारतीय टीम पर दबाव बनाना

चाहेगी। दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं।

टीमें

भारत: आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा (उपकप्तान), वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), युवराज गोहिल, कनिष्क चौहान, खिलान ए पटेल, नमन पुष्पक, डी. दीपेश, हेनिल पटेल, किशन कुमार सिंह, उधव मोहन, आरोन जॉर्ज।

पाकिस्तान: फरहान यूसुफ (कप्तान), उस्मान खान (उपकप्तान), अब्दुल सुभान, अहमद हुसैन, अली हसन बलूच, अली रजा, दानियाल अली खान, हमजा जहूर (विकेटकीपर), हुजैफा अहसन, मोमिन कमर, मोहम्मद सय्याम, मोहम्मद शायान (विकेटकीपर), नकाब शफीक, समीर मिन्हास, मोहम्मद हुजैफा।

हार्दिक ने युवराज का एक रिकार्ड तोड़ा

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए पांचवें और अंतिम टी20 मुकाबले में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। इस मैच में तेजी से अर्धशतक लगाने के साथ ही एक विकेट लेकर पंड्या ने पूर्व ऑलराउडर युवराज सिंह का का एक रिकॉर्ड तोड़ दिया है। टी20 अंतरराष्ट्रीय टी20 में यह चौथा मौका था जब पांड्या ने अर्धशतक लगाने के साथ ही 1 या उससे अधिक विकेट लिए हैं। इस मामले में उन्होंने युवराज सिंह को पीछे छोड़ा। युवराज ने टी20 में तीन बार अर्धशतक लगाने के साथ ही 1 या उससे अधिक विकेट लिए थे। विराट कोहली और शिवम दुबे भी 2-2 बार यह कारनाम किया है। हार्दिक ने केवल 16 गेंदों में ही तेजी अपने 50 रन पूरे किये। भारत की तरफ से टी20 में यह दूसरा सबसे तेज अर्धशतक है। पांड्या ने 25 गेंदों पर ही 5 छक्के और 5 चौकों लगाकर 63 रन बनाये। इससे भारतीय टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 231 रन बनाये। हार्दिक ने इसके बाद गेंदबाजी करते हुए एक विकेट लिया।

बुमराह की फिटनेस के लिए उन्हें आराम दिया जाना जरुरी : रॉबिन उथप्पा

लखनऊ ।भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने कहा है कि अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को बीच-बीच में आराम दिया जाना बेहद जरुरी है। उथप्पा के अनुसार बुमराह का एक्शन काफी कठिन है। इसके साथ ही उनकी गति भी काफी तेज है जिससे उनके शरीर पर काफी दबाव आता है और चोटिल होने की आशंकाएं बढ़ जाती हैं। ऐसे में उनक कार्यभार प्रबंधन का ध्यान देना जरुरी है। बुमराह भारतीय गेंदबाजी आक्रमक की कमाना संभालते हैं और अगले साल होने वाले टी20 विश्वकप को देखते हुए उनका फिट बने रहना जरुरी है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में बुमराह को आराम दिया गया था और उन्होंने पांच मैचों की टी20 सीरीज में वापसी की। उथप्पा ने कहा, 'वह एक शानदार मैच विजेता खिलाड़ी है पर उनके कार्यभार का प्रबंध करना बेहद जरूरी है। तेज गेंदबाजी क्रिकेट का सबसे मुश्किल कौशल है और बुमराह इसे बेहद तेज गति से और चुनौतीपूर्ण एक्शन के साथ करते हैं। उन्होंने कहा, 'आप उनको पूरी तरह से फिट बनाए रखना चाहते हैं पर साथ ही आप यह भी चाहते हैं कि वह पर्याप्त क्रिकेट खेलें। इसके लिए काफी सूझबूझ से उनका कार्यभार प्रबंधन करना होगा जिससे वह लय में भी बने रहे और उनके शरीर पर जरुरत से ज्यादा बोझ भी न पड़े। उनकी प्रतिभा और कौशल पर किसी को भी संदेह नहीं है।

पांचवां टी20:साउथ अफ्रीका को 30 रन से हराकर भारत ने 3-1 से जीती सीरीज

अहमदाबाद (एजेंसी)। तिलक वर्मा (73) और हार्दिक पंड्या (63) की शानदार अर्धशतकीय पारियों के बाद वरुण चक्रवर्ती (चार विकेट) जसप्रीत बुमराह (दो विकेट) के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत भारत ने शुक्रवार को पांचवें एकदिवसीय मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 30 रनों से हरा दिया। इसी के साथ भारत ने पांच मैचों की सरीजी 3-1 से अपने नाम कर ली।

232 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका के लिए क्विंटन डी कॉक और रीजा हेंड्रिक्स की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 69 रनों की साझेदारी। सातवें ओवर में वरूण चक्रवर्ती ने रीजा हेंड्रिक्स (13) को आउटकर भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद 11वें ओवर में जसप्रीत बुमराह ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी कर रहे क्विंटन डी कॉक को अपनी ही गेंद पर कैच आउटकर भारत की झोली में महत्वपूर्ण विकेट डाल दिया। अगले ही ओवर में हार्दिक पंड्या ने डेवाल्ड ब्रेविस (31) को अपना शिकार बना लिया। 13वें ओवर में वरुण चक्रवर्ती को पहले कप्तान एडन मारक्रम (छह) और अगली गेंद पर डॉनोवन फरेरा (शून्य) को आउटकर दक्षिण अफ्रीका की कमर तोड़ दी। 15वें ओवर में डेविड मिलर (18) को अर्शदीप सिंह ने आउट किया। अगले ही ओवर में वरुण चक्रवर्ती ने जॉर्ज लिंडे (16) को बोल्ड कर दक्षिण अफ्रीका को सातवां झटका दिया। 17वें ओवर में जसप्रीत बुमराह ने मार्को यानसन (14) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। दक्षिण

अफ्रीका की टीम निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 201 रन ही बना सकी और 30 रनों से मुकाबला हार गई। कार्बिन बॉश 17 रन और लुंगी एन्गिडी सात रन बनाकर नाबाद रहे। भारत के लिए वरुण चक्रवर्ती ने चार विकेट लिये। जसप्रीत बुमराह को दो विकेट मिले। आर्शदीप सिंह और हार्दिक पंड्या ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी ने भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए पहले विकेट के लिए 63 रन जोड़े। छठे ओवर में कार्बिन बॉश ने अभिषेक शर्मा को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। अभिषेक शर्मा ने 21 गेंदों में छह चौके और एक छक्का उड़ाते हुए 34 रनों की पारी खेली। 10वें ओवर में भारत का दूसरा विकेट संजू सैमसन के रूप में गिरा। संजू सैमसन ने चार चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 37 रनों की पारी खेली। इसके बाद सूर्यकुमार यादव पांच रन बनाकर कार्बिन बॉश का शिकार बन गये।

इसके बाद हार्दिक पंड्या ने तिलक वर्मा के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच चौथे विकेट के लिए 105 रनों की साझेदारी हुई। ऑटनील बार्टमैन ने हार्दिक को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। हार्दिक पंड्या ने 25 गेंदों में पांच चौके और पांच छक्के उड़ाते हुए 63 रनों की विस्फोटक पारी खेली। इसी ओवर की पांचवीं गेंद पर तिलक वर्मा रन आउट हो गये। तिलक वर्मा ने 42 गेंदों में 10 चौकों और एक छक्के की मदद से 73 रन बनाये। भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 231 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। शिवम दुबे 10 रन बनाकर नाबाद रहे। दक्षिण अफ्रीका के लिए कार्बिन बॉश ने दो विकेट लिये। ऑटनील बार्टमैन, जॉर्ज लिंडे ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

वार्षिक खेल महोत्सव 'सिटियस -2025' का हुआ आयोजन

क्रांति समय

www.krantisamay.com & www.epaper.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विद्या विहार स्कूल के वार्षिक खेल महोत्सव 'सिटियस-2025' का आयोजन 6 से 19 दिसंबर 2025 के बीच स्कूल परिसर एवं वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय में किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय सरावगी ने बताया कि इस खेल महोत्सव में प्री-प्राइमरी से लेकर उच्च माध्यमिक तक के लगभग 3,000 छात्रों ने विभिन्न व्यक्तिगत एवं टीम स्पर्धाओं में अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के मुख्य अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय सरावगी एवं अन्य गणमान्य पदाधिकारियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से छात्रों का उत्साहवर्धन किया। इस मौके पर विजेताओं को स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक से सम्मानित किया। ध्वजारोहण के साथ शुरू हुआ यह उत्सव 20 दिसंबर को ध्वज उतारने की रस्म और राष्ट्रगान के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आयोजन का उद्देश्य छात्रों में एकता एवं खेल भावना का संचार करना था।

अग्रवाल प्रीमियम लीग-17 प्लेयर ऑक्शन का हुआ आयोजन

क्रांति समय

www.krantisamay.com & www.epaper.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विकास ट्रस्ट युवा शाखा द्वारा अग्रवाल प्रीमियर लीग (एपीएल) सीजन 17 का आयोजन 16 जनवरी से बी.जे. पटेल ग्राउंड, अलथान में किया जाएगा। इसके किए शनिवार को सिटीलाइट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस में प्लेयर ऑक्शन का आयोजन किया गया। ऑक्शन में कुल 12 टीमों ने भाग लिया, जहाँ टीम संयोजकों ने अपनी रणनीतिक के तहत बेहतरीन खिलाड़ियों का चयन करते हुए अपनी-अपनी टीमों की मजबूती बढ़ाई। ऑक्शन के दौरान खिलाड़ियों के चयन को लेकर खासा उत्साह और प्रतिस्पर्धा देखने को मिली।

इस अवसर पर अग्रवाल विकास ट्रस्ट के मनीष अग्रवाल, नीरज अग्रवाल, निशित बेडिया, प्रशांत अग्रवाल, युवा शाखा अध्यक्ष अंकित झुनझुनावाला सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने आगामी टूर्नामेंट के लिए सभी टीमों को अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

मेरा थोड़ा लंबा खिंच गया है... टी20 विश्व कप से पहले सूर्यकुमार यादव ने फैंस से किया बड़ा वादा

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपने हालिया खराब प्रदर्शन को स्वीकार करते हुए आगामी आईसीसी टी20 विश्व कप से पहले फॉर्म में वापसी का भरोसा जताया। 2025 में, यादव टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 21 मैचों में 13.62 के खराब औसत से 218 रन बनाए हैं। सूर्यकुमार यादव ने इस साल टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक भी अर्धशतक नहीं लगाया है।

यादव आगामी टी20 विश्व कप में 15 सदस्यीय टीम की कप्तानी करेंगे। टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम के उप-कप्तान शुभमन गिल को फिटनेस और फॉर्म संबंधी चिंताओं के कारण टीम से बाहर कर दिया गया है, और अक्षर पटेल उप-कप्तान के रूप में वापसी कर रहे हैं। शनिवार को बीसीसीआई के मुख्यालय में कप्तान सूर्यकुमार यादव और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर की उपस्थिति में बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने टीम की घोषणा की।

यादव ने पत्रकारों से कहा कि मुझे पता है कि क्या करना है, कहाँ गड़बड़ हो रही है। मेरे पास इस पर काम करने के लिए कुछ समय है। यह बस एक छोटी सी अदृश्य बाधा है जिसे मैं निश्चित रूप से पार कर लूंगा। गिल को टीम से बाहर किए जाने पर व्यापक बहस छिड़ गई। उन्होंने कहा कि मेरा थोड़ा लंबा खिंच गया है। कप्तान यादव ने इस फैसले के पीछे के कारणों को स्पष्ट करते हुए कहा कि चयन खिलाड़ियों की भूमिका और संरचना को ध्यान में रखकर किया गया है, न कि उनके अल्पकालिक प्रदर्शन को।

यादव ने कहा कि यह प्रदर्शन की बात नहीं है, यह तालमेल की बात है। हम शीर्ष क्रम में एक विकेटकीपर चाहते थे। हम गिल की गुणवत्ता को जानते हैं। हम रिंकू सिंह और वाशिंगटन सुंदर जैसे खिलाड़ियों को भी अंतिम छोर पर चाहते थे। यादव के लिए, घरेलू विश्व कप में टीम की कप्तानी करना अवसर और जिम्मेदारी दोनों है। यादव ने आगे कहा, ÷मुझे लगता है कि यह मेरे लिए एक अच्छी जिम्मेदारी है... अपने घरेलू दर्शकों के सामने खेलना एक अच्छी चुनौती होगी। भारत को ग्रुप 'ए' में नामीबिया, नीदरलैंड, पाकिस्तान और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ रखा गया है और भारत 7 फरवरी को मुंबई में अमेरिका के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

अफगानिस्तान में 4.1 तीव्रता का भूकंप

झकाबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में शुक्रवार को 4.1 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार भूकंप की गहराई 10 किलोमीटर रही, जिससे जमीन के तेज हिलने और आफ्टरशॉक की आशंका बनी हुई है। एनसीएस ने बताया कि भूकंप 19 दिसंबर 2025 को रात 12:14 बजे (आईएसटी) आया, जिसका केंद्र अफगानिस्तान में 36.76 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 72.08 डिग्री पूर्वी देशांतर पर था। विशेषज्ञों के मुताबिक उथले भूकंप ज्यादा खतरनाक माने जाते हैं, क्योंकि उनकी तरंगें सतह तक कम दूरी तय करती हैं और नुकसान की आशंका बढ़ जाती है। इससे पहले 15 दिसंबर को भी अफगानिस्तान में 4.0 तीव्रता का भूकंप आया था।अफगानिस्तान हिंदूकुश क्षेत्र में स्थित होने के कारण भूकंपीय दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील है। नवंबर में आए 6.3 तीव्रता के भूकंप में कई लोगों की मौत और बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ था।

पाकिस्तान ने इस्लामिक स्टेट के स्थानीय संगठन के प्रवक्ता को किया गिरफ्तार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों ने इस्लामिक स्टेट के स्थानीय संगठन 'इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रांत (आईएसकेपी)' के प्रवक्ता को गिरफ्तार कर लिया है। यह वही आतंकी है, जिसे अमेरिका ने 2021 में आतंकवादी घोषित किया था। यह जानकारी गुरुवार को सरकारी मीडिया ने दी। विश्लेषकों का कहना है कि इस गिरफ्तारी से इस उग्रवादी संगठन को बड़ा झटका लगा है, जो हाल के वर्षों में क्षेत्र में फिर से खुद को मजबूत करने की कोशिश कर रहा था। पाकिस्तान टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, यह गिरफ्तारी मई महीने में हुई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि सुल्तान अजीज अजाम, जो आईएसकेपी का प्रवक्ता है, को अफगानिस्तान से पाकिस्तान में प्रवेश करने की कोशिश के दौरान हिरासत में लिया गया। अजीज अजाम मूल रूप से अफगानिस्तान के पूर्वी नंगरहार प्रांत का रहने वाला है। पाकिस्तानी सरकार ने गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं की है।

यरुशलम में अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स की पुलिस से झड़प, कई घायल

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइल के यरुशलम के अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स (हरेदीम) यहूदी बहुल इलाके में गुरुवार को उस वक्त हिंसक झड़प हो गई, जब इस्राइली अधिकारियों ने एक सामान्य पार्किंग चालान काटने की कोशिश की। देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए और पुलिस पर हमला कर दिया, जिसमें 13 पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने चार प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के अनुसार एक पुलिस इंस्पेक्टर द्वारा पार्किंग टिकट जारी करने की कोशिश के दौरान उस पर हिंसा और धमकियां दी गईं। पुलिस ने शुरू में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया, लेकिन इसके बाद सैकड़ों अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स प्रदर्शनकारी मौके पर पहुंच गए और संदिग्ध को छुड़ाने की कोशिश की। इस दौरान पुलिस वाहनों को नुकसान पहुंचाया गया और पुलिस पर पत्थर व अंडे फेंके गए।

खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सुहैल अफरीदी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की एक जिला अदालत ने खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सुहैल अफरीदी के खिलाफ गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। यह कार्रवाई गुरुवार को अदालत में पेश न होने के कारण की गई। इस्लामाबाद की एक वरिष्ठ सिविल जज की अदालत में राज्य संस्थानों के खिलाफ कथित रूप से भ्रामक आरोप लगाने और उनकी छवि को नुकसान पहुंचाने से जुड़ा मामला चल रहा है। सुनवाई के दौरान न तो मुख्यमंत्री सुहैल अफरीदी और न ही उनके वकील अदालत में उपस्थित हुए। न्यायाधीश अब्बास शाह ने गैर-हाजिरी को गंभीर मानते हुए गैर-जमानती वारंट जारी करने का आदेश दिया। यह मामला राष्ट्रीय साइबर अपराध जांच एजेंसी द्वारा इलेक्ट्रॉनिक अपराध निवारण अधिनियम के तहत दर्ज किया गया है। गौरतलब है कि अदालत ने 11 दिसंबर को पहले ही मुख्यमंत्री के खिलाफ जमानती वारंट जारी किए थे।

एफबीआई के उप निदेशक डैन बोंगिनो जनवरी में देंगे इस्तीफा

वाशिंगटन, एजेंसी। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के उप निदेशक डैन बोंगिनो ने कहा कि वह अगले महीने इस्तीफा दे देंगे। उनके कार्यकाल के दौरान अमेरिकी निवेशक एंव यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन की फाइलों को लेकर न्याय मंत्रालय के साथ उनका टकराव हुआ। बोंगिनो के इस्तीफे की पहले से ही उम्मीद थी और उनका इस्तीफा ट्रंप प्रशासन के सबसे चर्चित इस्तीफों में से एक होगा।

एपस्टीन सेक्स स्कैंडल की 68 नई तस्वीरें जारी: बिल गेट्स महिलाओं के साथ दिखे

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। एपस्टीन सेक्स स्कैंडल से जुड़ी 68 नई तस्वीरें सामने आई हैं। इन तस्वीरों को गुरुवार देर रात अमेरिकी संसद की हाउस ओवरसाइट कमेटी के डेमोक्रेट सांसदों ने रिलीज किया है। इनमें से दो तस्वीरों में अरबपति बिल गेट्स महिलाओं के साथ नजर आ रहे हैं। हालांकि यह साफ नहीं है कि दोनों महिलाएं एक ही हैं या अलग-अलग। इसके अलावा गूगल बनाने वाले सर्गेई ब्रिन, फिल्ममेकर वुडी एलन, फिलॉस्फर नोम चॉम्स्की और ट्रम्प के पूर्व सलाहकार स्टीव बैनन समेत कई लोग नजर आ रहे हैं।

यहां यह साफ कर दें कि इन तस्वीरों का यह मतलब नहीं है कि ये लोग किसी गलत काम में शामिल थे। इसकी जानकारी एपस्टीन फाइल्स के सामने आने के बाद ही आएगी। अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट कल इस सेक्स स्कैंडल से जुड़ी सभी फाइलें रिलीज करने वाला है। इससे पहले 12 दिसंबर को 19 तस्वीरें जारी की गई थीं, जिनमें भी बिल गेट्स नजर आए थे।

तस्वीरों में महिला के शरीर पर मैसेज लिखा दिखा : नई तस्वीरों में महिला के शरीर के अलग-अलग हिस्सों पर हाथ से लिखे गए मैसेज दिखाई दे रहे हैं। व्हाइट की रिपोर्ट के मुताबिक यह मशहूर किताब लोलिता से लिए गए मैसेज हैं। एक तस्वीर में इस किताब की कॉपी भी पीछे नजर आती है।

'लोलिता' एक विवादित उपन्यास है। इसमें एक नाबालिग लड़की के शोषण की कहानी लिखी है। इसी वजह

से महिला के शरीर पर इस किताब से जुड़े मैसेज को लेकर लोग सवाल उठा रहे हैं। इसे संवेदनशील मामला माना जा रहा है। फिलहाल यह साफ नहीं है कि ये सभी मैसेज एक ही महिला के शरीर पर लिखे गए हैं या अलग-अलग महिलाओं पर। तस्वीरें किस मकसद से ली गई, इसकी भी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है।

वॉट्सऐप चैट का एक स्क्रीनशॉट भी जारी : जारी की गई तस्वीरों में एक स्क्रीनशॉट भी शामिल है, जिसमें किसी अनजान भेजने वाले की वॉट्सऐप चैट दिखती है। इन मैसेज में से एक में 'फ्रेंड स्काउट' का जिक्र है और कहा गया है कि उसने 'हर लड़की के बदले 1000 डॉलर' मांगे हैं। इसे भेजने वाले का अगला मैसेज है, 'मैं अब तुम्हें लड़कियां भेजूंगा'। फिलहाल यह साफ नहीं है कि ये मैसेज किसके है, किसे भेजे गए और 'जे' किस व्यक्ति के लिए लिखा गया है।

न्यूयॉर्क टाइम्स के कॉलमिस्ट भी दिखे, अखबार ने बयान जारी किया : न्यूयॉर्क टाइम्स के कॉलमिस्ट डेविड ब्रूक्स भी एक तस्वीर में दिखे हैं। ऐसा लगता है कि डेविड ब्रूक्स किसी लंच या डिनर कार्यक्रम में शामिल थे। वे गूगल के सह-संस्थापक सर्गेई बिन के पास बैठे हुए दिखाई देते हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स ने एक बयान में कहा कि यह कार्यक्रम 2011 में हुआ था, यानी उस समय के तीन साल बाद, जब जेफ्री एप्सटीन ने फ्लोरिडा में 18 साल से कम उम्र की नाबालिग से वेश्यावृत्ति के लिए संपर्क करने के आरोप में खुद को दोषी माना था। न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, डेविड ब्रूक्स ने उस कार्यक्रम के बाद एप्सटीन से कभी कोई संपर्क नहीं किया।

एपस्टीन के ठिकाने से 95 हजार तस्वीरें बरामद : रिपब्लिकन-सांसदों के नेतृत्व वाली इस कमेटी को एप्स्टीन के ठिकाने से अब तक हजारों डॉक्यूमेंट, ईमेल और 95000 से ज्यादा तस्वीरें मिली हैं। रिपब्लिनक सांसदों ने डेमोक्रेट्स पर सिर्फ चुनिंदा तस्वीरें जारी करने का आरोप लगाया है, जिनका मकसद ट्रम्प को निशाना बनाना है। रिपब्लिनक सांसदों का कहना है कि दस्तावेजों में ट्रम्प के गलत काम करने का कोई सबूत नहीं है।

कौन था जेफ्री एपस्टीन: जेफ्री एपस्टीन न्यूयॉर्क का करोड़पति फाइनेंसर था। उसकी बड़े नेताओं और सेलिब्रिटीज से दोस्ती थी। उस पर 2005 में नाबालिग लड़की के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप लगा। 2008 में उसे नाबालिग से सेक्स की मांग करने का दोषी ठहराया गया। उसे 13 महीने की जेल हुई। 2019 में जेफ्री को सेक्स ट्रैफिकिंग के आरोपों में गिरफ्तार किया गया। लेकिन मुकदमे से पहले ही उसने जेल में आत्महत्या कर ली। उसकी पार्टनर घिसलीन मैक्सवेल को 2021 में उसकी मदद करने के आरोपों में दोषी करार दिया गया। वह 20 साल की सजा काट रही है।

अमेरिका में ग्रीन कार्ड लॉटरी प्रोग्राम निलंबित

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीन कार्ड लॉटरी कार्यक्रम (डाइवर्सिटी वीजा प्रोग्राम) को निलंबित करने का फैसला किया है। एपी के हवाले से पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, यह कदम उस खुलासे के बाद उठाया गया है, जिसमें बताया गया कि ब्राउन यूनिवर्सिटी और एमआईटी से जुड़ी फायरिंग के एक संदिग्ध को इसी लॉटरी कार्यक्रम के जरिए अमेरिका में प्रवेश मिला था।

सुरक्षा पर उठे सवाल : ट्रंप ने इस फैसले को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ते हुए कहा कि ग्रीन कार्ड लॉटरी जैसे कार्यक्रमों के जरिए अमेरिका में आने वालों की पृष्ठभूमि की गहन जांच जरूरी है। उनका मानना है कि मौजूदा प्रणाली में खामियां हैं, जिनका गलत फायदा उठाया जा सकता है।

क्या है ग्रीन कार्ड लॉटरी : ग्रीन कार्ड लॉटरी, जिसे आधिकारिक तौर पर डाइवर्सिटी वीजा प्रोग्राम कहा जाता है, हर साल हजारों लोगों को अमेरिका में स्थायी निवास का अवसर देता है। इसका उद्देश्य उन देशों के नागरिकों को मौका देना है, जहां से अमेरिका में कम संख्या में प्रवासी आते हैं।

ब्राउन यूनिवर्सिटी में गोलीबारी का संदिग्ध मृत मिला, आत्महत्या करने की आशंका : वॉशिंगटन, एजेंसी। बीते दिनों ब्राउन यूनिवर्सिटी में गोलीबारी कर दो लोगों की जान लेने वाला संदिग्ध मृत पाया गया है। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध न्यू हैंपशायर के एक गोदाम में गुरुवार शाम मृत पाया गया। माना जा रहा है कि आरोपी ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या की है। जांचकर्ताओं का मानना है कि संदिग्ध ने ब्राउन यूनिवर्सिटी में गोलीबारी के साथ ही हाल ही में ब्रूकलिन में एमआईटी के प्रोफेसर की भी हत्या की थी। हालांकि दोनों घटनाओं में क्या संबंध है, इस बारे में पुलिस ने कुछ नहीं बताया।

ब्राउन यूनिवर्सिटी की गोलीबारी में दो लोगों की मौत हुई : बीते शनिवार को ब्राउन यूनिवर्सिटी में हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हुई थी और नौ अन्य लोग घायल हुए थे। इस मामले की जांच गुरुवार को तब बदल गई, जब अधिकारियों ने कहा कि वे ब्राउन में हुई सामूहिक गोलीबारी और बोस्टन के पास दो दिन बाद हुए हमले के बीच संबंध की जांच कर रहे हैं, जिसमें मैसाच्युसेट्स यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर नूनो एफजी लोरेइरो की मौत हो गई थी। हालांकि एफबीआई ने कहा था कि उसे दोनों मामलों के बीच के लिंक की कोई जानकारी नहीं है। हमलावर की पहचान अभी जारी नहीं की गई है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि गोलीबारी करने वाला संदिग्ध ब्राउन यूनिवर्सिटी का पूर्व छात्र था और करीब 25 साल पहले यूनिवर्सिटी से पढ़ाई कर चुका था।

यूक्रेन को 90 अरब यूरो का ब्याज-मुक्त कर्ज, ईयू का फैसला; सैन्य और आर्थिक मदद को मिली मंजूरी

ब्रसेल्स, एजेंसी। यूरोपीय संघ ने यूक्रेन के लिए बड़ा और अहम फैसला लिया है। यूरोपीय संघ के नेताओं ने 2026-27 के लिए यूक्रेन को 90 अरब यूरो (करीब 106 अरब डॉलर) का ब्याज-मुक्त कर्ज देने पर सहमति जता दी है। इस राशि का इस्तेमाल यूक्रेन अपनी सैन्य जरूरतों और आर्थिक स्थिरता के लिए करेगा।

यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए कहा हमारे बीच सहमति बन गई है। 2026-27 के लिए यूक्रेन को 90 अरब यूरो की सहायता मंजूर कर ली गई है। हमने वादा किया था और उसे निभाया है। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि इस रकम की व्यवस्था किस तरह की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, इस फैसले से पहले ईयू नेताओं ने गुरुवार रात तक लंबी चर्चा की। खासतौर पर बेल्जियम को आश्वस्त किया गया कि यदि वह यूक्रेन को दिए जाने वाले इस कर्ज का समर्थन करता है, तो उसे रूस की संभावित जवाबी कार्रवाई से बचाने के लिए आवश्यक गारंटी दी जाएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कर्ज यूक्रेन के लिए आने वाले दो वर्षों में बड़ी राहत साबित होगा। रूस के साथ जारी युद्ध के कारण यूक्रेन की अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव है और बुनियादी ढांचे को भी व्यापक नुकसान पहुंचा है। ऐसे में ईयू की यह आर्थिक मदद यूक्रेन को न सिर्फ सैन्य मोर्चे पर, बल्कि आर्थिक मोर्चे पर भी संभलने में मदद करेगी।

अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना में बड़ा हादसा, लैंडिंग के दौरान बिजनेस जेट क्रैश

नॉर्थ कैरोलिना, एजेंसी। अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना में बड़ा विमान हादसा हो गया है। यहां एक क्षेत्रीय हवाई अड्डे पर गुरुवार को बिजनेस जेट दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें पूर्व एनएएससीएआर ड्राइवर ग्रेग बिफल और उनके पूरे परिवार समेत सात लोगों की मौत हो गई। यह हवाई अड्डा एनएएससीएआर टीमों और फॉर्च्यून 500 कंपनियों की ओर से इस्तेमाल किया जाता है। हादसे के बाद विमान में भीषण आग लग गई। यह विमान चार्लोट से करीब 45 मील उत्तर में स्थित स्टेट्सविल रीजनल एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान क्रैश हो गया।

फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने पुष्टि की है कि विमान में सवार सभी सात लोग हादसे का शिकार हुए। फ्लाइट रिकॉर्ड से पता चल है कि यह प्लेन रिटायर्ड एनएएससीएआर ड्राइवर ग्रेग बिफल की कंपनी के नाम पर रजिस्टर्ड था। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने बताया कि सेसना

सी550 में छह लोग सवार थे, जो शार्लोट से लगभग 45 मील (72 किलोमीटर) उत्तर में स्टेट्सविले रीजनल एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान क्रैश हो गया।

नॉर्थ कैरोलिना स्टेट हाइवे पेट्रोल ने पुष्टि की कि विमान में सवार लोगों में 55 वर्षीय ग्रेग बिफल, उनकी पत्नी क्रिस्टीना, 14 वर्षीय बेटी एम्मा और 5 वर्षीय बेटा राइडर शामिल थे। इनके अलावा डेनिस डटन, उनके बेटे जैक डटन और क्रेग वाड्सवर्थ भी विमान में मौजूद थे।

क्रैश के वक्त हल्की बारिश और बादल थे : इरेडेल काउंटी शेरिफ डैरेन कैंपबेल ने कहा, 'मैं पुष्टि कर सकता हूं कि इसमें लोगों की मौत हुई है।' एयरपोर्ट के पास गोल्फ खेल रहे गोल्फर्स इस हादसे को देखकर हैरान रह गए।नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड और एफएए मामले की जांच कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक क्रैश के समय हल्की बारिश और बादल थे।

प्रत्यक्षदर्शियों में दहशत : हवाई अड्डे के पास स्थित लेकवुड गोल्फ क्लब में खेल रहे गोल्फर्स ने विमान को बेहद नीचे उड़ते देखा। हादसे के वक्त कई खिलाड़ी डर के मारे जमीन पर लेट गए। गोल्फ कोर्स के नौवें होल पर विमान का मलबा फैल गया।

उड़ान की जानकारी : विमान ने सुबह 10 बजे के कुछ देर बाद उड़ान भरी, लेकिन जल्द ही वापस लौट आया और स्टेट्सविल एयरपोर्ट पर लैंडिंग की कोशिश कर रहा था, तभी हादसा हो गया। योजना के मुताबिक, विमान को बाद में सारासोटा (फ्लोरिडा) से बहामास के ट्रेजर के इंटरनेशनल एयरपोर्ट, फिर फोर्ट लॉडरडेल होते हुए शाम तक स्टेट्सविल लौटना था।

पूर्व पीएम ओली तीसरी बार पार्टी अध्यक्ष पद, 1663 वोट मिले; ईश्वर पोखरेल को 564 मत

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली ने कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल- यूनिफाइड मार्क्सिस्ट लेनिनिस्ट (सीपीएन-यूएमएल) के 11वें सम्मेलन में लगातार तीसरी बार पार्टी अध्यक्ष का पद जीता। ओली को 1663 वोट मिले, जबकि प्रतिद्वंद्वी ईश्वर पोखरेल को 564 मत ही मिले। कुल मतदान 98.40% दर्ज किया गया।

ओली के करीबी शंकर पोखरेल दूसरी बार महासचिव पद के लिए चुनाव लड़े। ओली के पैनल से पोखरेल दूसरी बार पार्टी के महासचिव चुने गए। उन्होंने पूर्व वित्त मंत्री सुरेंद्र पांडे को हराया। ओली-पोखरेल ने अपने प्रत्याशियों के पैनल तैयार किए।

ओली पैनल से 17 पदाधिकारी : पार्टी के 19 पदाधिकारियों में से 17 ओली के पैनल से चुने गए, जबकि दो पोखरेल के पैनल से चुने गए। पृथ्वी सुब्बा गुरुंग, बिष्णु पौडेल, रघुजी पंत, राम बहादुर थापा और गोकर्ण बिष्टा उपाध्यक्ष पद के लिए चुने गए हैं। इसी प्रकार, तीन उप महासचिवों में से राज भट्टा और रघुबीर महासेठ - भी ओली की टीम से हैं।

ईवीएम से हुए चुनाव : सीपीएन-यूएमएल के भीतर 11वें महाधिवेशन में बुधवार को मतदान शुरू हुआ। मतदान प्रक्रिया सोमवार से कई बार स्थगित होने के बाद शुरू हुई, जो तकनीकी गड़बड़ी के कारण एक घंटे देरी से शुरू हुई। पार्टी के चुनाव ईवीएम से हुए हैं। अध्यक्ष पद पर ओली को वरिष्ठ नेता ईश्वर पोखरेल से चुनौती मिली।

बता दें, प्रधानमंत्री कार्की ने 12 सितंबर को शपथ ली थी। इसके तीन दिन पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को जेन-जी के नेतृत्व में हुए बड़े आंदोलन के बाद इस्तीफा देना पड़ा था। शपथ के तुरंत बाद राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने प्रतिनिधि सभा को भंग कर 5 मार्च 2026 को नए चुनाव कराने की घोषणा की थी।

पाकिस्तान में आईएस-के प्रवक्ता सुल्तान अजीज अजम हुए गिरफ्तार, यूएनएससी की रिपोर्ट से मिली जानकारी

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को सौंपी गई एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान ने इस वर्ष इस्लामिक स्टेट-खुरासान (आईएस-के) के प्रवक्ता सुल्तान अजीज अजम को गिरफ्तार किया है। संयुक्त राष्ट्र की विश्लेषणात्मक सहायता और प्रतिबंध निगरानी टीम की 16वीं रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान ने कुछ हाई-प्रोफाइल गिरफ्तारियों की है, जैसे कि इस मई में अजम की गिरफ्तारी हुई है। इस कारण क्षेत्र में आईएस-के की सक्रियता कम हो गई है। बता दे कि आईएस-के इस्लामिक स्टेट-खुरासान प्रांत का संक्षिप्त रूप है, जो मुख्य रूप से अफगानिस्तान, मध्य एशिया और दक्षिण एशिया में सक्रिय एक आतंकवादी संगठन है। सरकारी समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान और पीटीवी न्यूज ने बताया कि खुफिया एजेंसियों ने पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा के पास एक अभियान के दौरान अजम को गिरफ्तार किया। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में दावा किया गया कि उनकी गिरफ्तारी के बाद, अल-अजैम फाउंडेशन जैसे आईएस-के के प्रचार तंत्र को भारी झटका लगा है। आतंकवाद विरोधी अभियानों के की वजह से आईएसके की क्षमता में कमी आई- संयुक्त राष्ट्र संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में कहा गया है, 'कुल मिलाकर, आतंकवाद विरोधी अभियानों के की वजह से आईएसके की क्षमता में कमी आई है। आईएसके के प्रमुख कमांडरों और विचारकों को निष्क्रिय कर दिया गया है। इसके साथ ही आईएसके लड़ाकों की संख्या में भी कमी आई है। कई नियोजित हमलों को नाकाम कर दिया गया है।'

इसमें आगे कहा गया है कि सीमा के दोनों ओर स्वतंत्र रूप से काम करने की आईएस-के की क्षमता बाधित हो गई है, लेकिन यह स्वीकार किया गया है कि काबुल का यह दावा कि उनकी धरती पर या वहां से कोई आतंकवादी समूह काम नहीं कर रहा है, हालांकि यह विश्वसनीय नहीं है।

आईएस-के मदरसों में बच्चों को कट्टरपंथी विचारधारा से ग्रसित करता है - संयुक्त राष्ट्र : रिपोर्ट में कहा गया है, 'तालिबान का दावा है कि अफगानिस्तान में या अफगानिस्तान से कोई आतंकवादी समूह सक्रिय नहीं है।' 'हालांकि, सदस्य देशों की रिपोर्टों से पता चलता है कि विभिन्न प्रकार के आतंकवादी समूह अभी भी देश में सक्रिय हैं, जिन्हें तालिबान अधिकारियों द्वारा अलग-अलग स्तर की स्वायत्तता और निगरानी प्राप्त है।' इसमें आगे कहा गया है: 'उत्तरी अफगानिस्तान और पाकिस्तानी सीमाओं के निकट के क्षेत्रों में आईएस-के द्वारा मदरसों में बच्चों को कट्टरपंथी विचारधारा से ग्रसित करने और लगभग 14 वर्ष की आयु के नाबालिगों के लिए आत्महत्या प्रशिक्षण पाठ्यक्रम स्थापित करने की खबरें हैं। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि आसिम इफ्तिखार अहमद ने 8 दिसंबर को एक पत्र के माध्यम से अनुरोध किया कि रिपोर्ट को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के ध्यान में लाया जाए।

यूके की अदालत में एनआरआईमहिला की जंग, बीमारी के बावजूद लड़ रही बराबरी के हक की लड़ाई

लंदन, एजेंसी। यूके की एक अदालत में एक एनआरआई महिला पिछले छह साल से अपने कार्यस्थल पर इंसाफ और बराबरी के अधिकार के लिए लड़ रही है। यह मामला सिर्फ एक नौकरी से जुड़ा विवाद नहीं है, बल्कि उन लाखों महिलाओं की आवाज है, जो गंभीर बीमारी के बावजूद काम करती हैं और कॉरपोरेट सिस्टम की कठोर नीतियों का शिकार होती हैं। पश्चिम बंगाल की संजु पाल की यह लड़ाई अब हाईकोर्ट अपील ट्रिब्यूनल तक पहुंच चुकी है।

लंदन में चल रहे इस मामले में संजु पाल ने यूके के समानता कानून 2010 और रोजगार अधिकार अधिनियम 1996 के तहत अपने अधिकारों की मांग की है। संजु पाल एंडोमेट्रियोसिस नाम की गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। उनका कहना है कि इस बीमारी के कारण उन्हें कार्यस्थल पर भेदभाव झेलना पड़ा और अप या आउट जैसी कॉरपोरेट नीति के तहत उन्हें नौकरी से बाहर कर दिया गया।

बीमारी और भेदभाव का मुद्दा : एंडोमेट्रियोसिस एक पुरानी बीमारी है, जिससे यूके में करीब 15 लाख महिलाएं प्रभावित बताई जाती हैं। इस बीमारी में तेज दर्द और शारीरिक कमजोरी होती है। संजु पाल का कहना है कि नौकरी से निकाले जाने से पहले वह इसी बीमारी से जूझ रही थीं। इसके बावजूद ट्रिब्यूनल ने पहले यह मानने से इनकार कर दिया कि यह बीमारी कानूनी रूप से विकलांगता की श्रेणी में आती है। अब इसी फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है।

नौकरी से निकाले जाने का विवाद : यह मामला वर्ष 2019 का है, जब संजु पाल को एक कंसल्टिंग कंपनी में सीनियर मैनेजर पद पर पदोन्नति नहीं मिलने के बाद कथित खराब प्रदर्शन के आधार पर नौकरी से हटा दिया गया। कंपनी की नीति के अनुसार यदि कोई कर्मचारी तय समय में अगली पोस्ट के

लिए तैयार नहीं माना जाता, तो उसे बाहर किया जा सकता है। संजु पाल का तर्क है कि कानून मौजूदा पद पर कामकाज के आधार पर ही आकलन की अनुमति देता है, न कि भविष्य की भूमिका के आधार पर।

कोर्ट की सुनवाई और अपील : रोजगार ट्रिब्यूनल ने वर्ष 2022 में संजु पाल के पक्ष में आंशिक फैसला सुनाया और उन्हें अनुचित बर्खास्तगी के लिए मुआवजा दिया। हालांकि, विकलांगता से जुड़े दावे को खारिज कर दिया गया। इसके बाद हाईकोर्ट अपील की अनुमति मिली। दिसंबर में सुनवाई पूरी हो चुकी है और आने वाले हफ्तों में फैसला आने की उम्मीद है। संजु पाल ने इस लड़ाई के लिए ऑनलाइन अभियान के जरिए आर्थिक मदद भी जुटाई।

व्यापक असर और उम्मीद : संजु पाल का कहना है कि यह लड़ाई सिर्फ उनकी नहीं है। अगर फैसला उनके पक्ष में आता है, तो इससे कंसल्टिंग सेक्टर और दूसरे कॉरपोरेट क्षेत्रों में काम करने वाली बीमार महिलाओं को मजबूती मिलेगी। उनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कार्यस्थल पर गैरकानूनी और अमानवीय नीतियां खत्म हों और गंभीर बीमारी से जूझ रहे कर्मचारियों के अधिकार सुरक्षित रहें।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मेसी इवेंट विवाद : कोलकाता पुलिस ने आयोजक सतद्रु दत्ता के घर की तलाशी ली, 100 करोड़ रुपये के घोटाले की जांच तेज

कोलकाता (एजेंसी)। साल्ट लेक स्टेडियम में आयोजित लियोनेल मेसी इवेंट में मचे बवाल के मामले में कोलकाता पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है। शुक्रवार को पुलिस ने इस विवादित इवेंट के मुख्य आयोजक सतद्रु दत्ता के आवास पर छापेमारी कर आलीशान सुविधाओं का खुलासा किया। पुलिस की जांच में दत्ता के तीन मंजिला मकान में स्विमिंग पूल, टैरेस पर फुटबॉल ग्राउंड और एक बड़ा कार्यालय पाया गया। यह तलाशी विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा की गई, जो इवेंट से जुड़े कुप्रबंधन और कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच कर रहा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह एक 'प्रक्रियात्मक तलाशी' थी, जिसके दौरान घर में मौजूद दस्तावेजों और विभिन्न समझौतों की जांच की गई। हालांकि, इस छापेमारी में कोई सामान जब्त नहीं किया गया है। पुलिस की यह कार्रवाई रिषड़ा स्थित सतद्रु दत्ता के आवास पर की गई। इस दौरान बिधाननगर पुलिस की डिटेक्टिव डिपार्टमेंट की टीम ने घर के हर कमरे की जांच की और वहां मौजूद केयरटेकर से पूछताछ की। अधिकारियों का कहना है कि यह जांच केवल भीड़ नियंत्रण में हुई चूक तक सीमित नहीं है, बल्कि अब बड़े पैमाने पर वित्तीय गड़बड़ियों की आशंका भी सामने आ रही है।

एसआईआर : तमिलनाडु में 97 लाख से ज्यादा , गुजरात में 73.73 लाख नाम काटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने तमिलनाडु, गुजरात में कराए गए स्पेशल इंटेसिव रिवीजन (एसआईआर) की ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी की। तमिलनाडु में 97 लाख से ज्यादा नाम काटे गए हैं। एसआईआर से पहले राज्य में वोटर्स की संख्या 6.41 करोड़ थी। अब घटकर 5.43 करोड़ हो गई है। राज्य में अब 2.66 करोड़ पुरुष, 2.77 करोड़ महिलाएं और 7,191 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। चेन्नई में सबसे ज्यादा 14.25 लाख वोटर्स के नाम हटे है। पहले यहां 40.04 लाख वोटर्स थे अब 25.79 लाख रह गए हैं। कोयंबटूर में 65 लाख, डिंडीगुल में 23 लाख नाम काटे गए हैं। वहीं गुजरात की जारी नई एसआईआर लिस्ट में 73.73 लाख से ज्यादा वोटर्स के नाम कम हुए हैं। राज्य में पहले 5.08 करोड़ से ज्यादा वोटर्स रजिस्टर्ड थे। अब घटकर 4.34 करोड़ रह गए हैं। अगर यदि किसी मतदाता का नाम ड्राफ्ट लिस्ट में नहीं है, तब वह 18 जनवरी ऑब्जेक्शन उठा सकता है। इसके अलावा बंगाल की नई मतदाता सूची जारी की गई है। कुल 58.20 लाख नाम काटे गए हैं। इससे पहले चुनाव आयोग ने 16 दिसंबर को पश्चिम बंगाल, राजस्थान, गोवा, लक्षद्वीप और पुडुचेरी की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की थी। राजस्थान में भी 44 लाख नाम काटे गए हैं। आयोग के आंकड़ों के मुताबिक 27 अक्टूबर को एसआईआर की घोषणा के समय इन राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में 13.35 करोड़ मतदाता थे। वहीं ड्राफ्ट लिस्ट में यह संख्या घटकर 12.33 करोड़ रह गई है। यानी 1.04 करोड़ नाम हटाए गए हैं।

पुरुष बंदियों के बाद अब मध्यप्रदेश में महिला कैदियों के लिए खुली जेल

-अब तक महाराष्ट्र और राजस्थान में ही ऐसी व्यवस्था

भोपाल (एजेंसी)। महिला कैदियों के लिए जेल विभाग ने अपने मैन्युअल बदलने की तैयारी की है। अब तक प्रदेश में सिर्फ पुरुष बंदियों के लिए खुली जेल थी, लेकिन मोहन सरकार की मुहर के बाद मध्यप्रदेश तीसरा ऐसा राज्य हो जाएगा, जहां महिला कैदियों को भी खुली जेल में रखा जाएगा। अब तक महाराष्ट्र और राजस्थान में ही ऐसा है। जेल विभाग के संसोधन के बाद प्रदेश की जेलों में बंद 1600 महिला कैदी भी सजा अवधि में खुली हवा में सांस ले पाएगी। जेल विभाग की नई प्रस्तावित नियमावली के अनुसार, इस सुविधा का लाभ सिर्फ उन महिला कैदियों को ही मिलेगा, जिन्होंने या कुल सजा की दो तिहाई अवधि पूरी की है या जिनकी उम्र 45 वर्ष से अधिक है। खुली जेल में अच्छे व्यवहार, कम खतरनाक और सजा का बड़ा हिस्सा काट चुके कैदियों को यहां रखा जाता है। कैदी वन बीएचके जैसे कमरों में रहते हैं। जहां वो अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ भी रह सकते है। महिलाओं को खुली जेल में रहने की पात्रता देने की योजना बनाई है। शासन को संशोधन का प्रस्ताव भेजा है। मंजूरी मिलते ही सुविधा मिलेगी। प्रदेश में अभी भोपाल, उज्जैन, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, सागर, ग्वालियर, जबलपुर और इंदौर में खुली जेल संचालित हैं। इनमें फिलहाल केवल पुरुष कैदियों को ही रखा जाता है।

पंजाब के किसानों ने प्रस्तावित रेल रोको आंदोलन को लेकर अपना फैसला बदला

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के किसानों ने प्रस्तावित रेल रोको आंदोलन को लेकर अपना फैसला बदला है। 20 दिसंबर को होने वाला विरोध प्रदर्शन राज्य सरकार के आश्वासन के बाद स्थगित किया गया है। किसान नेता सरवन सिंह भंडार ने बताया कि गुरुवार शाम को मान सरकार के साथ बैठक हुई, जिसमें किसानों को आश्वासन दिया गया कि बिजली संशोधन विधेयक पंजाब में लागू नहीं होगा। मान सरकार ने स्मार्ट बिजली मीटर लगाने के संबंध में भी सकारात्मक आश्वासन देकर कहा कि इसतरह मीटर राज्य में नहीं लगाए जाएंगे। किसान नेताओं ने स्पष्ट किया कि आंदोलन को स्थगित करने का निर्णय मान सरकार के आश्वासनों को ध्यान में रखकर लिया गया है। हालांकि, उन्होंने दो टूक कहा कि आंदोलन वापस नहीं लिया गया है, बल्कि केवल स्थगित किया गया है। इस बीच, किसानों की लंबित मांगों पर चर्चा करने के लिए किसान प्रतिनिधियों और पंजाब सरकार के बीच 22 दिसंबर को एक और बैठक निर्धारित की गई है। किसान मजदूर मोर्चा (केएमएम) के आह्वान पर और दशमेश किसान मजदूर यूनियन के समर्थन से आयोजित यह विरोध प्रदर्शन पंजाब भर में 18 और 19 दिसंबर को जिला आयुक्त कार्यालयों के बाहर चल रहे दो दिवसीय राज्यव्यापी आंदोलन का हिस्सा था।

दिल्ली में वाहन लेकर प्रवेश करने वालों पर लगा 20-20 हजार का जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में सर्दियों के शुरू होते ही वायु प्रदूषण फिर से चिंता का कारण बन गया है। राजधानी की हवा की गुणवत्ता (एक्यूआई) लगातार गंभीर और अति-गंभीर स्तर पर बनी हुई है, जिससे बाहर सांस लेना मुश्किल हो गया है। खासकर बच्चे, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं और सांस की बीमारी से ग्रसित लोग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। इस स्थिति से निपटने के लिए कई उपाय किए जा रहे हैं, जिनमें वाहनों पर सख्त निगरानी भी शामिल है। पहले दिन ही 10 वाहनों पर 20-20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया और उन्हें वापस भेजा गया।

तीन माह में तीसरे तालिबानी मंत्री का दिल्ली दौरा... पाकिस्तान को लग गई मिर्ची

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान के स्वास्थ्य मंत्री मौलवी नूर जलाल जलाली का भारत दौरा कई मायनों में अहम है। बता दें कि बीते तीन माह में भारत आने वाले वे तीसरे तालिबान मंत्री हैं। इससे पहले अफगान विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी और उद्योग व वाणिज्य मंत्री नूरुद्दीन अजीजी भारत आ चुके हैं। दिल्ली एयरपोर्ट पर जलाली का स्वागत विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव आनंद प्रकाश ने किया।

यात्रा के दौरान जलाली ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात की। बैठक में भारत ने अफगानिस्तान को दीर्घकालिक आधार पर दवाइयों, टीकों और चिकित्सा उपकरणों की आपूर्ति का भरोसा दिया। भारत ने कैंसर वैक्सीन सहित कई जीवनरक्षक टीकों का प्रतीकात्मक हस्तांतरण भी किया। बता दें कि भारत पहले ही अफगानिस्तान को 63,734 डोज इन्फ्लुएंजा और मेनिन्जाइटिस वैक्सीन तथा 73 टन आवश्यक दवाइयां भेज चुका है। आने वाले समय में 128 स्लाइस सीटी स्कैनर सहित बड़ा मेडिकल कंसाइनमेंट भेजने की तैयारी है। यह दौरा तब हो रहा हैं जब अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है और सीमा बंद होने से अफगान व्यापार बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

भारत ने बिना शोर मचाए, बिना मान्यता दिए, मानवीय सहायता से अफगानिस्तान में अपनी जगह फिर बना ली है। ये बात पाकिस्तान को सबसे ज़्यादा चुभ रही है। तालिबान शासन के बाद अफगानिस्तान को जिस अंतरराष्ट्रीय अलगाव में धकेल दिया गया था, वहां भारत अकेला बड़ा देश है जिसने 'लोगों के साथ खड़े रहने' की नीति लागू की। अस्पताल, दवाइयां, वैक्सीन, मेडिकल वीज़ा, भारत ने कभी अफगान जनता से नाता नहीं तोड़ा। यही वजह है कि आज तालिबान के मंत्री एक के बाद एक दिल्ली का रुख कर रहे हैं।

पाकिस्तान की परेशानी इसी बात है। दशकों तक अफगानिस्तान को ÷रणनीतिक गहराई÷ समझने वाला इस्लामाबाद आज खुद हाशिये पर खड़ा है। सीमा बंद कर व्यापार रोकना, अफगान शरणार्थियों पर दबाव, और तालिबान को आंख दिखाने की नीति उलटी पड़ गई। नतीजा हुआ कि काबुल ने दिल्ली की आरे देखना शुरू कर दिया। वह अफगानिस्तान में न बंदूक भेज रहा है, न फौज। वह भेज रहा है दवा, डॉक्टर, मशीन और भरोसा। यह सॉफ्ट पावर दरअसल हार्ड पॉलिटिक्स से कहीं ज़्यादा असरदार दिख रहा है। स्वास्थ्य सहयोग के ज़रिये भारत अफगान समाज की जड़ों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है और यही किसी भी दीर्घकालिक प्रभाव की बुनियाद होती है। इससे अफगानिस्तान में भारत विरोधी तत्वों के लिए ज़मीन सिकुड़ती है। साथ ही वहां पाकिस्तान का एकाधिकार टूटता है। इसके अलावा, मध्य एशिया तक भारत की पहुंच के रास्ते खुलते हैं। भारत ने अफगानिस्तान में वह कर दिखाया है जो पाकिस्तान बंदूक और दबाव से नहीं कर सका, यानि विश्वास के जरिये भारत ने वहां के नए शासकों का दिल जीत लिया। खनन, ऊर्जा, हाइड्रो प्रोजेक्ट और स्वास्थ्य, हर सेक्टर में भारत की वापसी के संकेत साफ दिख रहे हैं। पाकिस्तान इस सबसे चिढ़ कर इसलिए बयान दे रहा है क्योंकि खेल अब उसके हाथ से निकल चुका है।

देश में पिछले तीन वर्षों में बसों में आग लगने की 45 घटनाएं... कुल 64 लोगों की मौत

नई दिल्ली। देश में पिछले तीन वर्षों में चलती बसों में आग लगने की 45 घटनाएं हुई हैं। इन हादसों में कुल 64 लोगों की मौत हुई है। यह जानकारी सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को राज्यसभा में दी। सड़क परिवहन मंत्रालय के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक डिटेल्ड एक्सिडेंट रिपोर्ट (ईडीएआर) पोर्टल के आंकड़ों में 2023, 2024 और 2025 (10 दिसंबर तक) की घटनाएं शामिल हैं। 2023 में बस में आग की 11 घटनाएं हुईं, जिसमें 1 व्यक्ति की मौत हुई। 2024 में 20 घटनाओं में 31 लोगों की जान गई। 2025 में अब तक 14 घटनाओं में 32 मौतें दर्ज की गई हैं। इन तीन वर्षों में कुल 145 लोग घायल भी हुए हैं। मोदी सरकार ने स्पष्ट किया कि आंध्र प्रदेश के कर्नूल में 24 अक्टूबर 2025 को हुई बस दुर्घटना, जिसमें 20 लोगों की मौत हुई थी, इन आंकड़ों में शामिल नहीं है। मंत्रालय ने बताया कि बसों में आग जैसी घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा मानकों को अपडेट किया जा रहा है। एआईएस-119 मानकों में संशोधन किया है, ताकि हर बस में फायर एक्सटिंग्विशर और अतिरिक्त आपातकालीन निकास होना अनिवार्य कर दिया गया। इसके अलावा, फ्यूल सिस्टम और इलेक्ट्रिकल वायरिंग से संबंधित सुरक्षा नियमों को कड़ा कर दिया गया है। सरकार राज्यों को लगातार निर्देश दे रही है ताकि पुराने वाहनों में भी सुरक्षा उपकरण लगाए जा सकें और हादसों की जांच रिपोर्ट जल्द से जल्द सामने आए।

बांग्लादेश में हिंदुओं को निशाना बनाए जाने पर अशोक गहलोत ने जताई चिंता, केंद्र से हस्तक्षेप की मांग

जयपुर (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पड़ोसी देश बांग्लादेश में हालिया हिंसा और हिंदू अल्पसंख्यकों को निशाना बनाए जाने की घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने केंद्र सरकार से इस संवेदनशील मुद्दे पर तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हुए कहा, कि बांग्लादेश में एक बार फिर भड़की हिंसा और वहां हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रहे हमले अत्यंत चिंताजनक और निंदनीय हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में भारत जैसे पड़ोसी और प्रभावशाली देश की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने केंद्र सरकार की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा, यह आश्चर्यजनक है कि भारत सरकार इस गंभीर और संवेदनशील मुद्दे पर लंबे समय से मूकदर्शक बनी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की चुप्पी से बांग्लादेश में सक्रिय भारत विरोधी और बाहरी ताकतों को बल मिल रहा है, जिससे वहां अल्पसंख्यकों की स्थिति और अधिक असुरक्षित होती जा रही है। गहलोत ने केंद्र सरकार से 'वेट एंड वॉच' यानी रुको और देखो की नीति छोड़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि भारत सरकार कूटनीतिक स्तर पर सक्रिय भूमिका निभाए और बांग्लादेश सरकार से स्पष्ट रूप से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग करे। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्रीय शांति और मानवीय मूल्यों की रक्षा के लिए भारत का स्पष्ट और सशक्त रुख जरूरी है। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश में पिछले वर्ष जुलाई में हुए विद्रोह के प्रमुख नेताओं में शामिल शरीफ उस्मान हादी की हालिया मौत के बाद देश के विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शन भड़क उठे। इन प्रदर्शनों के दौरान कई स्थानों पर हिंसा की घटनाएं सामने आईं, जिससे पूरे देश में तनावपूर्ण स्थिति बन गई। इन घटनाओं के बीच हिंदू अल्पसंख्यकों को निशाना बनाए जाने की खबरों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चिंता बढ़ा दी है।

कांग्रेस पर बीजेपी का बड़ा आरोप, राहुल गांधी और जॉर्ज सोरोस दो शरीर और एक आत्मा

-विदेशी दौरे पर भारत विरोधी लोगों से मिलते हैं राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा नेता और प्रवक्ता गौरव भाटिया ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर विदेश यात्राओं के दौरान भारत को बदनाम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी विदेशों में भारत विरोधी ताकतों से मिलते हैं और राष्ट्रीय हितों के खिलाफ गतिविधियों में शामिल होते हैं। प्रेसवार्ता में बीजेपी प्रवक्ता भाटिया ने कहा कि विदेश जाकर भारत को बदनाम करना, भारत विरोधी ताकतों से मिलना, ये सभी काम राहुल गांधी कर रहे हैं।

भाजपा नेता ने कहा कि राहुल गांधी हमेशा ही संसदीय सत्रों के दौरान विदेश यात्रा करते हैं, जिसका उदाहरण उन्होंने हाल ही में जर्मनी की यात्रा से दिया। भाटिया ने कहा कि विपक्ष के नेता, जिनकी प्राथमिक जिम्मेदारी सत्र के दौरान संसद में उपस्थित रहना है, लेकिन वे विदेश चले गए, जहां उन्होंने हर्टी स्कूल में जाकर प्रोफेसर डॉ. कॉर्नेलिया वोल से मुलाकात की। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी और जॉर्ज सोरोस (एक निवेशक और परोपकारी व्यक्ति, जिन पर हमेशा दक्षिणपंथी लोग निशाना साधते हैं) के बीच संबंध हैं। उन्होंने ओपन सोसाइटी फाउंडेशन और सेंट्रल यूरोपियन यूनिवर्सिटी का हवाला देकर कहा कि इन संस्थाओं का भारत विरोधी गतिविधियों से संबंध है। भाटिया ने कहा कि राहुल गांधी और जॉर्ज सोरोस दो शरीर, एक आत्मा (दो जिस्म, एक जान) की तरह हैं, और अब एक और सबूत सामने आया है। यह पहली बार नहीं है जब राहुल गांधी इस तरह की भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल रहे हैं। भाटिया ने पूछा कि वे विदेश जाते हैं और भारत के दुश्मनों, भारत से ईर्ष्या करने वालों और हमारी अखंडता पर हमला करने वालों से मिलते-जुलते हैं। यह किस तरह का भारत विरोधी एजेंडा है, जहां भारत का विपक्ष नेता ऐसी ताकतों से मिलकर भारत के खिलाफ साजिश रच रहा है?

नकली कफ सिरप विवाद में एक-दूसरे पर आरोप मढ़ रहे अखिलेश और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में नकली कफ सिरप (कोडीन आधारित) के अवैध कारोबार को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव और भाजपा सरकार (उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक) के बीच तीखी राजनीतिक जंग छिड़ गई है। जहां सपा प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने उत्तप्रदेश की योगी सरकार पर भ्रष्टाचार और भू-माफियाओं को संरक्षण देने का आरोप लगाकर घेराबंदी की है। उन्होंने दावा किया कि हर विभाग में लूट मची है और सरकार बच्चों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रही है। अखिलेश ने लिखा, ''नशाख़ोरी की जांच के लिए 'सिरप टॉस्क फोर्स मतलब एसटीएफ के साथ-साथ जीटीएफ भी बना दीजिएज बाकी जनता समझदार है। भाजपाइयों के चेहरों पर हवाइयां क्यों उड़ी हुई हैं? कोडीन कफ सिरप की सच्चाई ये जानते हैं तभी खुद नहीं पी, इसीलिए बीच में किसी को खांसी भी आ गयी। हालांकि, यादव ने 'जीटीएफ का मतलब नहीं समझाया। नकली कफ सिरप के कारोबारियों पर सरकार का बुलडोजर खामोश है। वाराणसी से शुरू होकर यह अवैध कारोबार जिले-जिले होते हुए अन्य प्रदेशों और विदेश तक पहुंच गया। वहीं उत्तप्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने अखिलेश यादव के आरोपों का जवाब देकर उन्हीं पर सवाल खड़े कर दिए है। पाठक ने एक तस्वीर दिखाई जिसमें अखिलेश यादव कथित तौर पर इस रैकेट के मुख्य आरोपियों के साथ खड़े नजर आ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ये वही लोग हैं जो सपा के शासनकाल में फले-फूले और आज माफिया राज के प्रतीक हैं। पाठक ने कहा कि दूसरों पर उंगली उठाने के बजाय अखिलेश यादव को अपनी पार्टी के इन लोगों के साथ संबंधों को स्पष्ट करना चाहिए। योगी सरकार ने प्रतिबद्धता जाहिर की है कि इस मामले में जो भी दोषी होगा, उस बख्शा नहीं जाएगा।

पुलिस से धक्का-मुक्की मामले में कांग्रेस नेत्री अलका लांबा पर चलेगा मुकदमा, डिस्चार्ज याचिका खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की, आदेश की अवहेलना और सार्वजनिक मार्ग बाधित करने के मामले में कांग्रेस नेत्री अलका लांबा के खिलाफ मुकदमा चलेगा। राउज एवेन्यू कोर्ट स्थित अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी अश्वनी पंवार की अदालत ने अलका लांबा के खिलाफ आरोप तय करते हुए उनकी डिस्चार्ज (कार्यवाही समाप्त करने) की अर्जी को खारिज कर दिया है।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि रिकॉर्ड पर मौजूद वीडियो साक्ष्य, शिकायतकर्ता और अन्य पुलिसकर्मियों के बयान प्रथमदृष्टया संदेह उत्पन्न करते हैं, जिसके आधार पर इस स्तर पर आरोप तय किए जा सकते हैं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि आरोप तय करने के चरण में साक्ष्यों की गहन जांच नहीं की जाती, बल्कि यह देखा जाता है कि क्या अभियोजन के पास ऐसा पर्याप्त आधार है, जिससे मुकदमें की सुनवाई आगे बढ़ाई जा सके। इसी के साथ ही अदालत ने टिप्पणी करते हुए कहा, कि उपलब्ध वीडियो फुटेज में अलका लांबा को पुलिस बैरिकेड्स कूदते हुए, पुलिसकर्मियों को धक्का देते हुए और अन्य प्रदर्शनकारियों को भी बैरिकेड्स पार करने के लिए संकेत करते हुए देखा जा सकता है। कोर्ट के अनुसार, इन दृश्यों से यह संकेत मिलता है कि निषेधाज्ञा के बावजूद प्रदर्शन को आगे बढ़ाया गया और सार्वजनिक व्यवस्था प्रभावित हुई। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष को अपना मामला साबित करने का पूरा अवसर दिया जाना चाहिए।

यह मामला 29 जुलाई 2024 को जंतर-मंतर पर हुए उस प्रदर्शन से जुड़ा है, जो कांग्रेस महिला इकाई द्वारा महिला आरक्षण के समर्थन में आयोजित किया गया था। आरोप है कि पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को बीएनएसएस की धारा 163 के तहत लागू निषेधाज्ञा के बारे में पहले ही अवगत करा दिया था और उन्हें समझाने का प्रयास भी किया गया था। इसके बावजूद अलका लांबा सहित अन्य कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने आगे बढ़कर घेराव करने की कोशिश की, बैरिकेड्स पार किए और सार्वजनिक मार्ग अवरुद्ध किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने दलील दी कि अलका लांबा ने प्रदर्शनकारियों को उकसाया, पुलिस की ड्यूटी में बाधा डाली और सड़क पर लेटकर रास्ता जाम कराया। अभियोजन के अनुसार, इससे कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने का खतरा पैदा हुआ।

वहीं, बचाव पक्ष ने अदालत में तर्क दिया कि प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण था, मामले में कोई स्वतंत्र गवाह नहीं है और वीडियो साक्ष्यों में स्पष्ट रूप से धक्का-मुक्की नहीं दिखाई देती। बचाव पक्ष ने यह भी कहा कि किसी भी पुलिसकर्मी को चोट लगने का कोई भी मेडिकल रिकॉर्ड पेश नहीं किया गया है, जिससे आरोप कमजोर होते हैं। हालांकि, अदालत ने इन दलीलों को आरोप तय करने के स्तर पर स्वीकार करने से इनकार कर दिया और कहा कि इन सभी बिंदुओं पर विस्तृत विचार मुकदमे के दौरान किया जाएगा। इसके साथ ही अदालत ने अलका लांबा की डिस्चार्ज याचिका खारिज करते हुए उनके खिलाफ मुकदमा चलाने का आदेश दिया।

बाल तस्करी और देह व्यापार पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता, बोला...

-इससे निपटने न्याय प्रणाली को और अधिक संवेदनशील होने की आवश्यकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। देश में बाल तस्करी और देह व्यापार की गंभीर स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि यह सच्चाई ÷बेहद चिंताजनक÷ है और इससे निपटने के लिए न्यायिक प्रणाली को अधिक संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि यौन तस्करी के पीड़ितों, विशेषकर नाबालिगों की गवाही को उचित महत्व और विश्वसनीयता दी जानी चाहिए।

न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि अदालतों को तस्करी की शिकार किसी नाबालिग पीड़िता के साक्ष्यों का मूल्यांकन करते समय उसकी सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों और कभी-कभी सांस्कृतिक असुरक्षा को ध्यान में रखना चाहिए। पीठ ने विशेष रूप से यह रेखांकित किया कि यदि पीड़िता किसी हाशिये पर पड़े, सामाजिक या सांस्कृतिक रूप से पिछड़े समुदाय से आती है, तो उसकी स्थिति और अधिक संवेदनशील हो जाती है। शीर्ष अदालत ने ये महत्वपूर्ण टिप्पणियां लड़कियों की बाल तस्करी से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान कीं। अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में पीड़ितों के बयान को सामान्य आपराधिक मामलों की तरह नहीं देखा जाना चाहिए। पीठ के अनुसार, तस्करी का शिकार बनी नाबालिग अक्सर भय, दबाव, सामाजिक कलंक और मानसिक आघात के कारण अपनी पूरी बात स्पष्ट रूप से नहीं रख पाती, जिसका असर उसके बयान में दिखाई दे सकता है। इसका यह अर्थ नहीं लगाया जाना चाहिए कि उसकी गवाही अविश्वसनीय है। अदालत ने जोर देते हुए कहा कि पीड़ितों के साक्ष्य का न्यायिक मूल्यांकन संवेदनशीलता और यथार्थवाद के साथ किया जाना चाहिए। न्यायाधीशों को यह समझना होगा कि बाल तस्करी और देह व्यापार जैसे अपराधों में पीड़ित की स्थिति असमान शक्ति संतुलन, शोषण और मजबूरी से जुड़ी होती है। ऐसे में साक्ष्यों की तकनीकी कमियों पर अत्याधिक जोर देने से न्याय के उद्देश्य को नुकसान पहुंच सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी संकेत दिया कि बाल तस्करी केवल एक आपराधिक समस्या नहीं, बल्कि एक गंभीर सामाजिक संकट है, जिसके पीछे गरीबी, अशिक्षा, लैंगिक असमानता और सामाजिक बहिष्कार जैसे कई कारण जुड़े होते हैं। अदालत ने उम्मीद जताई कि निचली अदालतें और जांच एजेंसियां ऐसे मामलों में पीड़ित-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाएंगी।

पासपोर्ट नवीनीकरण के लिए यात्रा कार्यक्रम नहीं मांग सकता प्राधिकरण : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि देश के संवैधानिक ढांचे में स्वतंत्रता राज्य का उपहार नहीं, बल्कि उसका पहला दायित्व है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि पासपोर्ट नवीनीकरण के चरण में पासपोर्ट प्राधिकरण किसी व्यक्ति से भविष्य की यात्रा योजनाओं या वीजा की अनुसूची की मांग नहीं कर सकता।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति ए. जी. मसीह की पीठ ने कहा कि पासपोर्ट प्राधिकरण की भूमिका सीमित है। उसका दायित्व केवल यह जांचना है कि लंबित आपराधिक कार्यवाही के बावजूद संबंधित आपराधिक अदालत ने अपनी निगरानी में व्यक्ति को यात्रा की अनुमति देने का विकल्प खुला रखा है या नहीं। अदालत ने कहा कि नवीनीकरण के समय संभावित या अभी अस्तित्व में ही न होने वाली यात्राओं का विवरण मांगना तर्कसंगत नहीं है। पीठ ने कहा, कि हमारे संवैधानिक ढांचे में स्वतंत्रता राज्य का उपहार नहीं बल्कि उसका पहला दायित्व है। कानून के अधीन रहते हुए किसी नागरिक को आवागमन, यात्रा, आजीविका और अवसर प्राप्त करने की स्वतंत्रता भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रदत्त अधिकार का अभिन्न हिस्सा है। अदालत ने यह भी रेखांकित किया कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता को प्रशासनिक औपचारिकताओं के नाम पर अनावश्यक रूप से सीमित नहीं किया जा सकता।

यह आदेश महेश कुमार अग्रवाल की याचिका पर दिया गया। अग्रवाल झारखंड के रांची स्थित एनआईए की विशेष अदालत में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत कोयला ब्लॉक आवंटन घोटाले से जुड़े एक मामले में दोषी ठहराए जा चुके हैं और वर्तमान में मुकदमे का सामना कर रहे हैं। जमानत की शर्तों के तहत उन्होंने अपना पासपोर्ट अदालत में जमा किया हुआ था, लेकिन उनका पासपोर्ट वर्ष 2023 में समाप्त हो गया था। अग्रवाल ने पासपोर्ट के नवीनीकरण की अनुमति मांगी थी, जिसे कलकत्ता उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया था। इसके बाद उन्होंने उच्चतम न्यायालय का रुख करते हुए क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, कोलकाता को पासपोर्ट नवीनीकरण का निर्देश देने की मांग की थी।

शीर्ष अदालत ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश को रद्द करते हुए अग्रवाल के पक्ष में फैसला सुनाया और पासपोर्ट प्राधिकरण को उनका पासपोर्ट नवीनीकृत करने का निर्देश दिया। अदालत ने दोहराया कि नवीनीकरण के स्तर पर वीजा या भविष्य की यात्रा योजनाओं की मांग करना कानूनन उचित नहीं है।